CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 197 ता. 01 फरवरी 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बढ़ने लगा मौतों का आंकड़ा

एक सप्ताह में 5200 लोगों को लील गया कोरोना, क्या पिछले साल की तरह खतरनाक हो रहा वायरस?

नई दिल्ली। देश में लगातार बढ़ती कोरोना मृतकों की संख्या ने लोगों को एक बार फिर से डराना शुरू कर दिया है। स्वास्थ मंत्रालय के सोमवार के आंकडे के अनुसार बीते 24 घंटे में 2 लाख 9 हजार 918 लोग संक्रमित हो गए हैं जबकि 959 लोगों की मौत हो गई है। इस दौरान 2 लाख 62 हजार 628(2,62,628) लोग स्वस्थ भी हुए। सक्रिय मामलों की बात करें तो यह अभी भी 18 लाख के पार है यानी कि देश में कुल 18 लाख 31

हजार 268 लोग (18,31,268) अब भी संक्रमित हैं। वहीं सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि कोरोना मृतकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

पिछले एक सप्ताह में कोरोना से 5200 लोगों की गई जान

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बीते एक सप्ताह के आंकड़े देखें तो ऐसा लग रहा है कि कोरोना अपने पुराने रूप में आने लगा है। अब लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या पिछले साल की तरह यह वायरस कहीं मौत का तांडव तो नहीं मचाएगा। आइए नजर डालते हैं पिछले एक सप्ताह में कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या पर...

दिन के आंकड़े	मौतें
31 जनवरी	959
30 जनवरी	891
29 जनवरी	871
28 जनवरी	627
27 जनवरी	573
26 जनवरी	665
25 जनवरी	614
कुल 7 दिन	
कुल 5200 मौतें	

कानपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

बेकाबू बस ने राहगीरों को रौंदा, 6 की मौत, राष्ट्रपति ने जताया शोक

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की जान चली गई. शहर के बाबूपुरवा थाना क्षेत्र के टाटमिल चौराहे के पास एक तेज रफ्तार बस ने कई लोगों को कुचल दिया. घटना में 6 लोगों की मौत हुई. यह सड़क हादसा देखकर राहगीरों की रूह कांप गई. राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक प्रकट किया. सीएम ने कहा कि प्रशासन को घायलों का इलाज कराने का निर्देश दिया गया है. सीएम योगी ने कहा, ÷कानपुर में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है. परमपिता दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें. घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन को निर्देश दे दिए गए हैं।

तेज रफ्तार बेकाबू इलेक्ट्रिक बस ने सड़क से गुजर रहे कई राहगीरों को रौंद डाला. अंत मे बेकाबू हुई ई-बस ट्रैफिक बूथ तोड़ते हुए ट्रक से जा टकराई. हादसे में 6 लोगों की मौत होने और कई के घायल होने की खबर है. लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है. घटना घण्टाघर से टाटमील चौराहे के बीच की है.

मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है. बाबूपुरवा थाना क्षेत्र के टाटमिल चौराहे पर यह घटना हुई. पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) ने बताया, ÷घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस

और एबुलेंस सेवा को तत्काल भेजा गया. मृतकों का आंकड़ा 5 से 6 हो सकता है. बस ड्राइवर की तलाश की जा रही है. घटना में तीन गाड़ियां और कई बाइक क्षतिग्रस्त हुई हैं. आसपास रहने वाले लोगों को भी चोटें आई हैं. घायलों का उपचार कराया जा रहा है. बाकी की विधिक कार्रवाई की जा रही है.

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने जताया दुःख

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा, कानपुर में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों के हताहत होने की खबर से अत्यंत दुःख हुआ है. इस घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहन शोक-संवेदनाएं. मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.

प्रियंका गांधी ने जताई संवेदना

तेज रफ्तार बेकाबू इलेक्ट्रिक बस ने सड़क से गुजर रहे कई राहगीरों को रौंद डाला. अंत मे बेकाबू हुई ई-बस ट्रैफिक बूथ तोड़ते हुए ट्रक से जा टकराई. हादसे में 6 लोगों की मौत होने और कई के घायल होने की खबर है. लगभग एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है.

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने घटना पर दुःख व्यक्त किया. उन्होंने ट्वीट किया, कानपुर से सड़क हादसे का बहुत ही दुखद समाचार प्राप्त हुआ. मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदनाएं. मैं ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिल।

कोरोना के खिलाफ गेम चेंजर साबित हो सकती है नैजल वैक्सीन?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के महामारी की तीसरी लहर के बीच भारत में बूस्टर डोज लगने शुरू हो गए हैं। इसके साथ-साथ कई टीकों का ट्रायल भी चल रहा है। इसमें नजल वैक्सीन भी शामिल है। हाल ही में भारत बायोटेक को बूस्टर डोज के रूप में उसके इंट्रानैजल कोविड-19 वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल को सरकार ने मंजूरी दी है। अब इस नाक से देने वाले टीके को लेकर दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सीनियर महामारी विशेषज्ञ डॉ संजय राय ने कहा है कि ट्रायल के दौरान अगर यह म्यूकोसल इम्युनिटी प्रदान करती है तो कोरोना के खिलाफ लड़ाई में यह वैक्सीन गेम चेंजर साबित हो सकती है। डॉ संजय राय ने कहा अगर यह टीका म्यूकोसल प्रतिरक्षा प्रदान करता है, तो यह मानव जाति के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। दुनिया भर में 33 टीके हैं लेकिन संक्रमण को रोकने में कोई भी प्रभावी नहीं है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह टीका म्यूकोसल प्रतिरक्षा प्रदान करेगी जो आगे संक्रमण को रोक सकती है। एम्स के सीनियर महामारी विशेषज्ञ ने कहा कि उम्मीद है कि सभी स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत

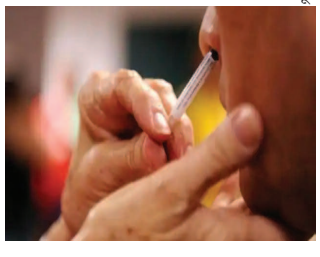

करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह आखिरी महामारी नहीं है। हमें भविष्य की महामारियों के लिए तैयार रहना चाहिए और इससे निपटने के लिए हमें सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है।

केंद्रीय उर्जा मंत्री आरके सिंह बोले- नेट जीरो के लिए राज्यों को बनाएंगे एक-एक कर ग्रीन स्टेट

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली और अक्षय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह का कहना है कि 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत ने ऊर्जा रूपांतरण की दिशा में तेजी से कार्य शुरू कर दिया है। पहले एक-एक कर राज्यों को नेट जीरो बनाएंगे और उन्हें हरित राज्य घोषित करेंगे। इसकी शुरूआत हिम, उत्तराखंड तथा पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों से होगी जहां उत्सर्जन बहुत कम है तथा कार्बन सोखने की क्षमताएं बहुत ज्यादा हैं। संवाददाता विशेष बातचीत में सिंह ने कहा कि राज्यों को नेट जीरो बनाने के लिए दो दिशा में काम होगा। एक उनकी कुल जीवाश्म ऊर्जा खपत कितनी है? उससे कितना उत्सर्जन हो रहा है तथा दूसरे कितना वह सोख रहे हैं ? इसकी गणना करने उनके कुल उत्सर्जन को शून्य करने के उपाय किए जाएंगे। राज्यों को इसके लिए जल्द परामर्श जारी किया जाएगा।

सिंह ने कहा कि नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए कई और कदम उठा रहे हैं। अक्षय

ऊर्जा के भंडारण की क्षमता बढ़ा रहे हैं। विश्व का सबसे बड़ा 2000 मेगावाट का भंडारण केंद्र भारत ने तैयार किया है। इसके अलावा उद्योगों की कोयले, पेट्रोलियम तथा गैस से निर्भरता खत्म करने के लिए ग्रीन हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है। सिंह ने कहा कि पेरिस समझौते के तहत भारत ने घोषणा की थी कि 2030 के तहत ऊर्जा की कुल खपत में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 40 फीसदी करेंगे। इस लक्ष्य को हमने नौ साल पहले नवंबर 2021 में ही हासिल कर लिया। देश में 151 गीगावाट अक्षय ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है तथा 63 गीगावाट निर्माणाधीन है। इसी प्रकार हमने ऊर्जा की तीव्रता को 33-35 फीसदी तक कम करने की बात कही थी। 2018 तक इसमें 28 फीसदी की कमी आ चुकी है। नई रिपोर्ट तैयार हो रही है तथा अनुमान है कि 30 फीसदी कमी का लक्ष्य हम हासिल कर चुके हैं। दरअसल, भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक औसत का महज एक तिहाई है। जबकि अमेरिका का 12 तथा ब्रिटेन का छह गुना ज्यादा है। फिर भी हमने अच्छा काम किया है।

ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात करेंगे -सिंह ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से हमारे उद्योग क्षेत्र की बिजली की जरूरत पूरी होगी और उन्हें कोयला, गैस या कोक आधारित ऊर्जा से छुटकारा मिलेगा। साथ ही साथ, ग्रीन हाइड्रोजन के निर्यात की भी अपार संभावनाएं हैं। जापान जैसे छोटे देश जो नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं लेकिन उनके पास ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण के लिए जमीन और सौर ऊर्जा की कमी है।

दिल्ली में बुधवार के बाद बारिश होने के आसार, चलेंगी तेज हवाएं, सताएगी ठंड

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में फरवरी की शुरुआत बारिश के साथ होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार के बाद दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में तेज हवा के साथ हल्की बरसात हो सकती है। इससे न्यूनतम तापमान में इजाफा होगा, अधिकतम तापमान गिरेगा। सफदरजंग मौसम केंद्र में रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस समय का सामान्य तापमान है। न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से एक डिग्री कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के बीच सुबह के समय हवा की गति थोड़ी तेज रहेगी। दिन में आसमान साफ

रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के चलते बुधवार के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार और शुक्रवार को 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी जबकि, शुक्रवार के दिन हल्की बूंदाबांदी होने का अनुमान जताया गया है।

2025 तक दो लाख किमी राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार करने की दिशा में काम कर रही सरकार-नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार 2025 तक 2 लाख किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क विकसित करने के लिए काम कर रही है। भारत की पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास की भूमिका पर बोलते हुए गडकरी ने कहा, सरकार 2025 तक 2 लाख किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास की दिशा में काम कर रही है। हम यात्रा के समय को कम करने के लिए 22 ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल एक्सप्रेसवे तैयार कर रहे हैं। यात्रा के समय और ईंधन लागत में कटौती के अलावा, फास्ट ट्रैक राजमार्ग क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी

मदद करते हैं। हमारी प्राथमिकता सकल घरेलू उत्पाद के मौजूदा 14-16 प्रतिशत से रसद की लागत को 10 प्रतिशत तक लाना है। यह चीन में 8-10 प्रतिशत और यूरोपीय देशों में 12 प्रतिशत है। यदि हम इसे भारत में 10-12 प्रतिशत तक लाते हैं, तो हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

पीएम मोदी की गति-शक्ति राष्ट्रीय योजना के तहत एकीकृत बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी लोगों, वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन के एक साधन से दूसरे मोड में आवाजाही के लिए एकीकृत और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह बुनियादी ढांचे की अंतिम मील कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करेगा और लोगों के लिए यात्रा के समय को भी कम करेगा। नितिन गडकरी ने आइआइएम विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित वृधि में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बयान दिया है।

फेस तो होंगे चरणजीत सिंह चन्नी ही, पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू को झटका देने की तैयारी में कांग्रेस

चंडीगढ़। पंजाब में नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने और फिर कैप्टन अमरिंदर सिंह को सीएम पद से हटाने के बाद कांग्रेस पर तीसरा बड़ा और साहसी कदम उठाने की तैयारी में है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी को ही सीएम फेस घोषित किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह सिद्धू कैंप के लिए झटका होगा। नवजोत सिंह सिद्धू ने खुलकर खुद को सीएम घोषित करने की मांग नहीं की है, लेकिन लगातार संकेत जरूर देते रहे हैं। पिछले सप्ताह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने पहुंचे राहुल गांधी ने यह ऐलान किया था कि कांग्रेस सीएम फेस का ऐलान करेगी। इस बीच रविवार को घोषित उम्मीदवारों की लिस्ट में कांग्रेस ने सीएम चन्नी को दो सीटों चमकौर साहिब और भदौर से उतार दिया है। माना जा रहा है कि पार्टी ने कार्यकर्ताओं का फीडबैक लिया है और इसके अलावा रणनीतिकारों की ओर से भी दबाव था कि सीएम चन्नी की दलितों के बीच अपील है और उसे भुनाने के लिए उन्हें सीएम फेस बनाया जाना चाहिए। पंजाब में सबसे ज्यादा 68 सीटें मालवा क्षेत्र में हैं और यहां दलित मतदाताओं का खासा प्रभाव है। ऐसे में कांग्रेस सीएम चन्नी को चेहरा बनाकर बढ़त लेना चाहती है। फिलहाल किसी

खास मौके की तलाश है, जिस दौरान चन्नी के नाम का मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर ऐलान किया जा सके।

आम आदमी पार्टी की ओर से भगवंत मान को सीएम उम्मीदवार बनाया गया है, जो सिख जट हैं। ऐसे में कांग्रेस की कोशिश है कि वह चन्नी को ही चेहरा बनाए ताकि दलित मतदाताओं को लुभा सके। पंजाब में दलित मतदाताओं की आबादी 33 फीसदी के करीब है और यह निर्णायक मतदाता माने जाते हैं। आमतौर पर सिटिंग मुख्यमंत्री को ही चुनाव में सीएम फेस माना जाता है, लेकिन नवजोत सिंह सिद्धू की ओर से दबाव के चलते पसोपेश की स्थिति बनी हुई थी। यहां तक कि चन्नी के फैसलों के विरोध में सिद्धू ने प्रदेश अध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया था। काफी मान-मनौव्वल के बाद उन्होंने इसे वापस लिया था।

पंजाब की राजनीतिक लड़ाई इस बार बहुकोणीय हो गई है। आम आदमी पार्टी ने 2017 में ही जोरदार दस्तक दी थी। इस बार वह सत्ता की रेस में है, जबकि कांग्रेस के अलावा अकाली दल और बसपा का गठबंधन भी मजबूती से लड़ रहा है। वहीं भाजपा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह और सुखदेव ढींढसा की पार्टी के साथ गठबंधन किया है। इन सभी दलों से अलग किसानों की नई पार्टी संयुक्त समाज मोर्चा भी चुनाव में उतरा है।

सार समाचार

गौशाला में सैकड़ों गायों की लाशें मिलने पर बोले दिग्विजय सिंह, सरकार पर लगाए आरोप

भोपाल। राजधानी भोपाल में बीजेपी नेत्री निर्मला देवी शांडिल्य की गौशाला में सैकड़ों गायों की लाशें मिलने में बड़ा खुलासा हुआ है। गौशाला में गायों को चूने का पानी पिलाकर मारा जा रहा था। वहीं उनके चमड़े और हड्डियों का इस्तेमाल व्यापार में होता था। जिसके बाद कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने गायों की लाशें मिलने पर सीधे सीएम शिवराज सिंह चौहान और विश्व हिंदू परिषद पर निशाना साधा है। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर सरकार पर कई बड़े आरोप लगाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सैकड़ों गौ माता की हत्या करने वाली भाजपा और विश्व हिंदू परिषद संचालित गोशाला को शिवराज उर्फ मामा उर्फ मामू ने करोड़ों अनुदान दिया। गौसेवा नहीं, गौ हत्या के लिए चमड़ा और हड्डियों के व्यापार के लिए। उन्होंने कहा कि यदि आरोपी गैर भाजपा या गैर हिंदू होता तो अब तक उस पर एनएसए लग जाता उसके मकान तोड़ दिए जाते हैं लेकिन श्रीमती शांडिल्य भाजपा और वीएचपी नेता है उन्हें बचाने का प्रयास हो रहा है। अब तक गौ हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं किया गया कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उल्टा कांग्रेस के नेता पर एफआईआर दर्ज कर दी गई है। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अबतक गौ हत्या का प्रकरण दर्ज नहीं किया गया है। कोई गिरफ़्तारी नहीं हुई। गौ हत्या करने वालों के खिलाफ सख़्त कार्रवाई करने की लड़ाई कांग्रेस आखरी दम तक लड़ेगी। गृह मंत्री जी मौन क्यों हैं?

चुनाव आयोग का फैसला, 1000 लोगों की सभा को मिली इजाजत, 11 फरवरी तक बढ़ा रैलियों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इन 5 राज्यों में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल है। हालांकि देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर भी अपने चरम पर है। कोरोना वायरस की रफ्तार को देखते हुए चुनाव आयोग में चुनावी रैली और रोड शो पर रोक लगा रखी है। चुनाव आयोग ने 11 फरवरी तक रैलियों पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है। हालांकि आज चुनाव आयोग की ओर से प्रचार के लिए राजनीतिक दलों को थोड़ी राहत जरूर दी गई है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को 1000 लोगों के साथ चुनावी सभा करने की इजाजत दे दी है। इतना ही नहीं, अब 20 लोग डोर-टू-डोर कैंपेन भी कर सकते हैं। पहले इसकी संख्या 10 थी। इनडोर बैठक में भी अब 300 की जगह 500 लोग हिस्सा ले सकते हैं। ज्यादा लोगों के साथ रोड शो और चुनावी रैली पर अब भी पाबंदी लागू रहेगी। चुनाव ऐलान के साथ ही आयोग की ओर से रोडशो और चुनावी रैली पर प्रतिबंध लगाई गई थी जिसे 31 जनवरी तक बढ़ा दिया गया था। निर्वाचन आयोग ने चुनावी राज्यों में टीकाकरण की रफ्तार को और बढ़ाने के लिए कहा है।

सिद्धू ने मजीठिया को बताया परचा माफिया, बोले- अगर वादे पूरे नहीं किए तो छोड़ दूंगा राजनीति

अमृतसर। पंजाब में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा गर्मता जा रहा है। इसी बीच पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर निशाना साधा और उन्हें परचा माफिया करार दिया। उन्होंने कहा कि मजीठिया ने कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है लेकिन मैंने किसी के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं कराया है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि उन्होंने (बिक्रम सिंह मजीठिया) कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। मैंने किसी के खिलाफ एक भी मामला दर्ज नहीं कराया है। सभी जानते हैं कि कांग्रेस एक मजबूत और सुरक्षित सरकार देगी। हम बनाएंगे नया पंजाब। कांग्रेस में चल रही गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस को कोई नहीं हरा सकता। खुद को कांग्रेस ही हरा सकती है। इसी बीच सिद्धू ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि अगर उनकी तरफ से किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो वह राजनीति छोड़ देंगे।

सिद्धू के नाम एक भी उपलब्धि नहीं

मजीठिया ने सिद्धू पर निशाना साधते हुए कहा था कि राजनीति में पिछले 18 वर्षों के दौरान नवजोत सिंह सिद्धू के नाम एक भी उपलब्धि नहीं है। वह और उनकी पत्नी शिअद-भाजपा और कांग्रेस सरकारों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन अमृतसर पूर्व के लिए कुछ नहीं किया। इसीलिए लोगों ने मुझसे वहां से चुनाव लड़ने और उनके अहंकारी और स्वार्थी शासन को खत्म करने की अपील की है।

संसद में कोविड-19 संबंधी नियमों का उल्लंघन करते नजर आए कई सांसद

नयी दिल्ली। संसद के बजट सत्र के पहले दिन, दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में सोमवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अभिभाषण के दौरान विभिन्न दलों के कई सांसद कोविड-19 से बचाव के लिए निर्धारित सामाजिक दूरी बनाए रखने के अहम नियम का उल्लंघन करते देखे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, शीर्ष केन्द्रीय मंत्री और विभिन्न दलों के पहली दो पंक्तियों में बैठे सांसदों ने सामाजिक दूरी के नियम का पालन किया, लेकिन उनके पीछे की पंक्तियों में बैठे कई सदस्यों ने ऐसा नहीं किया। तीसरी पंक्ति में कई केन्द्रीय मंत्री भी बैठे थे। केंद्रीय कक्ष की कुछ बेंच में जहां पांच लोगों के बैठने की जगह थी, वहां सात सांसद बैठे दिखे। इस दौरान कई सांसद बात करते समय मास्क उतारे हुए नजर आए। कोविड-19 वैश्विक महामारी की तीसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद सांसदों के केंद्रीय कक्ष गैलरी के साथ-साथ लोकसभा और राज्यसभा कक्षों में बैठने की व्यवस्था की गई है। बजट सत्र के दौरान संसद की कार्यवाही दो पालियों में होगी। सुबह राज्यसभा की और शाम को लोकसभा की कार्यवाही होगी।

सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर हुई कोरोना संक्रमित, बयान में कहा था- गोमूत्र पीने से कोई संक्रमण नहीं होता

नयी दिल्ली। भाजपा नेता और भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की कोरोना वायरस रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। उन्होंने ट्वीट किया आज, मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं डॉक्टरों की देखरेख में हूं। पिछले 2 दिनों में मेरे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से आग्रह किया जाता है कि वे सतर्क रहें और यदि आवश्यक हो तो परीक्षण भी करवाएं। भगवान से प्रार्थना करती हूं कि आप सभी स्वास्थ्य रहे।

राष्ट्रपति का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं, भारत के लिए एक 'भविष्य की दृष्टि': नड्डा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का अभिभाषण सिर्फ एक वर्ष का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक 'भविष्य की दृष्टि' है। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति कोविंद का अभिभाषण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का देश के विकास की दूरदृष्टि की रूपरेखा है।

अभिभाषण में सरकार के विकास कार्यों के सभी आयामों का विस्तार से उल्लेख करने के लिए राष्ट्रपति का धन्यवाद करते हुए नड्डा ने कहा, 'यह एक साल का एजेंडा नहीं है बल्कि भारत के लिए एक भविष्य की दृष्टि है।' उन्होंने कहा, 'यह भारत के पुनर्निर्माण की रूप रेखा है, जिसमें स्पष्ट है कि आजादी के अमृत महोत्सव काल में हम कैसा भारतवर्ष चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हर क्षेत्र में एक सशक्त भारत के निर्माण की ओर तेज गति से चल रही है।' नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने अंत्योदय की भावना से कोविड प्रबंधन, तीव्र गति से टीकाकरण, गरीबों को मुफ्त राशन, किसानों के बेहतर भविष्य, महिला सशक्तिकरण एवं देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम किया है।

उन्होंने कहा, 'आज भारत में सामाजिक न्याय के साथ सभी को समान अवसर मिल रहा है।' संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि सरकार के अथक प्रयासों से ही भारत एक बार फिर से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलते हुए अगले 25 वर्ष के लिए मजबूत बुनियाद पर तेजी से काम कर रही है और इस बुनियाद का सबसे महत्वपूर्ण संकल्प एक सर्व-समावेशी, सर्व-हितकारी, सशक्त भारत का निर्माण और देश की आत्म-निर्भरता है।

महाराष्ट्र: कांग्रेस कार्यकताओं ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गोडसे की तस्वीर जलायी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में कांग्रेस कार्यकताओं ने रविवार को महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे की तस्वीर जलायी और विरोध प्रदर्शन किया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की भिवंडी इकाई के प्रमुख राशिद ताहिर के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गोडसे के खिलाफ और गांधी की प्रशंसा में नारे लगाए। ताहिर ने पत्रकारों से कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नाथूराम गोडसे पर आने वाली फिल्म के जरिए उसका महिमामंडन किया जा रहा है। उनका इशारा हिंदी फिल्म व्हाई आई किल्ड गांधी की ओर था जिसमें राकांपा सांसद और अभिनेता डॉ अमोल कोल्हे गोडसे की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग 2017 में हुई थी। ताहिर ने सरकार से फिल्म की रिलीज रोकने का आग्रह किया। ठाणे में, राकांपा के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के मंत्री जितेंद्र आव्हाड और कांग्रेस की शहर इकाई के प्रमुख विक्रांत चव्हाण ने महात्मा गांधी उद्यान में गांधीजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर 70 रह गई: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा कि देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आई है और इनकी संख्या घटकर 126 से 70 रह गई है। बजट सत्र के पहले दिन संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि कार्बी-आंगलोंग के दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार, असम की राज्य सरकार एवं कार्बी समूहों के बीच समझौता हुआ है औ इससे इस क्षेत्र में शांति और खुशहाली का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा, 'सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से आज देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या भी 126 से घटकर 70 रह गई है।'

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी ने 21 सितंबर 2020 को राज्यसभा को सूचित किया था कि 11 राज्यों के 90 जिलों को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं और वह केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा संबंधी व्यय योजनाओं के अधीन है। रेड्डी ने यह भी कहा था कि वर्ष 2019 में वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 61 जिलों में दर्ज की गई थी जबकि वर्ष 2020 के पूर्वार्ध में 46 जिलों में घटनाएं दर्ज की गईं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2004 से 2020 के बीच नक्सलियों द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में 8380 लोगों की हत्या की गई थी। पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति बहाली की दिशा में सरकार की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इसमें सरकार को 'ऐतिहासिक सफलता' प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा, 'अभी कुछ महीने पहले ही कार्बी-आंगलोंग के दशकों पुराने विवाद को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार, असम की राज्य सरकार एवं कार्बी समूहों के बीच समझौता हुआ है। इससे इस क्षेत्र में शांति और खुशहाली का एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय महिलाओं को इंसान नहीं समझते: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में 20 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार और उसकी पिटाई की घटना को लेकर सोमवार को कहा कि यह कड़वा सच है कि बहुत सारे देशवासी महिलाओं को इंसान नहीं समझते। उन्होंने ट्वीट किया, '20 वर्षीय महिला की निर्ममता से पिटाई किए जाने संबंधी वीडियो हमारे समाज का बहुत वीभत्स चेहरा सामने लाता है। कड़वा सच यह है कि बहुत सारे भारतीय, महिलाओं को इंसान नहीं समझते।'

गौरतलब है कि पूर्वी दिल्ली की एक कॉलोनी में पड़ोसियों द्वारा 20 वर्षीय महिला का कथित तौर पर अपहरण करने, उससे सामूहिक बलात्कार करने और सड़क पर उसे निर्वस्त्र घुमाने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने पीड़िता की छोटी बहन का भी उत्पीड़न किया था। पुलिस मामले में पहले ही नौ लोगों, आठ महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार कर चुकी है। पीड़िता के खिलाफ अपराध में कथित भूमिका के लिए तीन नाबालिग लड़कों को भी हिरासत में लिया गया है।

बच्चों की सुरक्षा केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए, बाल अधिकार संगठनों की मांग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

बाल अधिकार संगठनों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए और बाल श्रम के उन्मूलन के लिए आवंटन में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा-तंत्र को मजबूत करने में अधिक निवेश होना चाहिए। संगठनों ने यह भी कहा कि प्रभावी रोकथाम तंत्र की गति को तत्काल आधार पर तेज करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करेंगी। कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन की कार्यकारी निदेशक, ज्योति माथुर ने कहा कि केंद्रीय बजट में बच्चों के लिए बजट आवंटन के कुल प्रतिशत हिस्से में सुधार किया जाना चाहिए, और इसे कम से कम 2020-21 के स्तर पर बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित केंद्रीय बजट का प्रतिशत हिस्सा 3.16 प्रतिशत (2020-21) से घटाकर 2.46 प्रतिशत (2021-22) कर दिया गया है। यह पिछले 11 वर्षों में बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित, बजट का सबसे कम हिस्सा है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, अगर हम पिछले दो वर्षों के बजट आवंटन को देखें, तो बच्चों के कल्याण के लिए आवंटित कुल बजट में 2020-21 की तुलना में 2021-22 में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। माथुर ने कहा कि एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना के साथ बाल श्रम के उन्मूलन के लिए आवंटन में भी वृद्धि की जानी चाहिए। अन्य सुझावों में बंधुआ मजदूरों के पुनर्वास के लिए बढ़ा हुआ बजटीय आवंटन शामिल है, जो राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी) के समग्र बजट मद का एक हिस्सा है। चाइल्ड राइट्स एंड यू, की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा मारवाह ने कहा कि बच्चों को किसी भी विकास विमर्श के केंद्र में रखा जाना चाहिए और यह केंद्रीय बजट का केंद्र बिंदु होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी ने बच्चों को शारीरिक, मानसिक रूप से प्रभावित तो किया ही, उन्हें पारिवारिक संकट, प्रवास, अलग-थलग रहने, पढ़ाई में बाधा तथा अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ा है।

आप नहीं जान पाएंगे राहुल गांधी कब छुट्टी पर चले जाएंगे और गोवा सरकार अस्थिर हो जाएगी: शाह

पणजी (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में युवाओं से उनके बेहतर भविष्य के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का समर्थन करने की अपील की और कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि युवाओं को कभी पता नहीं चलेगा कि राहुल गांधी कब छुट्टी पर चले जाएंगे और राज्य में कब अस्थिरता पैदा हो जाएगी।

वास्को शहर में भाजपा के सोशल मीडिया कार्यकताओं के साथ बातचीत के दौरान शाह ने कहा कि केवल भाजपा ही युवाओं के बेहतर भविष्य की गारंटी दे सकती है। गोवा में 14 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शाह एक दिवसीय दौरे पर आए थे।

शाह ने कहा कि गोवा अगले पांच साल में 'एजुकेशन हब' में तब्दील हो जाएगा, जिसकी योजना पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत मनोहर पर्रिकर और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने तैयार की थी। शाह ने कहा कि दो महीने पहले ही गोवा में 'फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी' की नींव रखी गई थी। शाह ने कहा, 'ऐसी कई अन्य परियोजनाएं हैं जो पहले से ही गोवा के लिए स्वीकृत हैं।' उन्होंने कहा कि उच्चतम साक्षरता दर के कारण गोवा के शिक्षा केंद्र बनने की क्षमता है।

उन्होंने कहा, 'जब आईटी हब बनाया जाता है या कोई विश्वविद्यालय बनाया जाता है तो आपके पास गोवा में नौकरी के अवसर होंगे। इसलिए, मैं कहता हूं, आप सभी को कहीं (किसी अन्य राजनीतिक दल) नहीं जाना होगा क्योंकि अगर आप कांग्रेस का समर्थन करते हैं तो आपको कभी भी पता नहीं चलेगा कि राहुल बाबा कब छुट्टी पर जाएंगे और गोवा सरकार अस्थिर हो जाएगी।'

शाह परोक्ष रूप से गोवा में कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति की ओर इशारा कर रहे थे। पिछले पांच वर्षों में दलबदल के कारण कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।

मोदी-योगी सरकारों में 'घर जमाई' बन गई है 'डायन' महंगाई : रणदीप सुरजेवाला

लखनऊ। (एजेंसी)

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को महंगाई के मुद्दे पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो 'डायन' महंगाई है वह मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) - योगी (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) सरकारों में 'घर जमाई' बन गई है। उन्होंने महंगाई से मुक्ति के लिए भाजपा की सरकार से मुक्ति पाने का अनुरोध किया। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने सोमवार को यहां कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में महा महंगाई, भाजपा लाई पुस्तक का लोकार्पण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में 2014 में कांग्रेस सरकार और सात वर्षों में बढ़ी महंगाई का फर्क समझाते हुए कहा कि जो डायन महंगाई है, वह मोदी-योगी सरकारों में घर जमाई बन गई है।

उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा नीत सरकारों पर प्रहार करते हुए दावा किया, एक तरफ देश के लोगों को महंगाई की आग में झोंक दिए तो दूसरी तरफ सात साल में भाजपा की संपत्ति 780 करोड़ से बढ़कर 4850 करोड़ हो गयी यानी साढ़े पांच सौ प्रतिशत बढ़ गई और हम दो, हमारे दो की संपत्ति हर रोज एक हजार करोड़ बढ़ रही है।' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं किसान हूं और इस देश के 62 करोड़ किसान की पीड़ा मेरे मन को कचोटती है, यह पहली सरकार है जिसने खाद, कीटनाशक दवाइयों पर कर लगाया है। ट्रैक्टर और खेती के उपकरणों पर भी कर लगा दिया है। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी और अजय सिंह बिष्ट (योगी आदित्यनाथ का संत होने से पहले का नाम) ने साढ़े 17 लाख करोड़ रुपये किसान की जेब से निकाला है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि मोदी जी अलग और अजय सिंह बिष्ट जनता की अलग जेब काटते हैं और दोनों जेब काटते हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महंगाई मुद्दा है लेकिन कई बार राजनेताओं के शोरगुल में यह दिखता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस की लड़ाई महंगाई और बेरोजगारी से है और पहली लड़ाई उनसे है जो मठाधीश दिल्ली और लखनऊ दोनों में सात साल से और एक पांच साल से लोगों की जिंदगियां लूट रहे हैं, पहली लड़ाई उनसे हैं।

चुनाव में सत्तारूढ़ दल के प्रचार प्रसार पर कटाक्ष करते हुए सुरजेवाला ने कहा, चुनाव में श्मशान, कब्रिस्तान, तमंचा और दो लड़के, एक दूसरे के लिए गाली गलौज और हर बार की तरह फिर विभाजन की कोशिश सब चीजें उप्र के चुनाव में चल रही हैं सिवाय उनके जिनका उप्र और देश की जिंदगी पर असर पड़ता है-महंगाई और बेरोजगारी। उन्होंने कहा, 'इन दोनों (महंगाई-बेरोजगारी) को तमंचे से मारिए या इत्र छिड़क मारिए, कैसे मारेंगे, यह सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है, उन्हें श्मशान में जलाइए या कब्रिस्तान में दफनाइए, पर भगवान के लिए, ईश्वर के लिए इसका हल निकालिए क्योंकि यही लोगों की जिंदगी का मसला है।

महंगाई पर जारी कांग्रेस की पुस्तिका की चर्चा करते हुए सुरजेवाला ने कहा कि महा महंगाई, भाजपा लाई पुस्तक का शीर्षक इसलिए दिया क्योंकि 'यही इस देश और प्रदेश का सत्य है। इसलिए हम कहते हैं कि भाजपा को हराइए, महंगाई पर विजय पाइए। कांग्रेस नेता ने एक शेर पढ़ा, जिन्हें सौंपी थी रोशनी की रहनुमाई, बुझाकर चिराग वो दे रहे हैं उजाले की दुहाई और कहा कि मोदी और योगी सरकार जब यह शब्द जुबां पर आते हैं तो लोगों का ख्याल सीधे खाली जेब पर जाता है और यह बात उठती है कि एक तो आमदनी कर दी कम और दूसरी तरफ महंगाई का गम। उन्होंने कहा, सुबह उठकर जब लोग चाय बनाते हैं तो गैस का सिलेंडर एक हजार रुपये पा रहे हैं, खाने का तेल दो सौ रुपये, और दफ्तर जाते हैं तो पेट्रोल सौ रुपये में भराते हैं और घर लौटते हुए राशन खरीदते तो कई गुना दाम चुकाते हैं।' उन्होंने कहा, मोदी और योगी की सरकार जिस जनता के नमक की सौगंध खाकर सत्ता में आई थी उसकी कीमत भी दोगुनी कर दी। महंगाई का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा, लोग सुकून से अब एक प्याला चाय नहीं पी सकते हैं क्योंकि 2014 में जब कांग्रेस की सरकार गई तो जो चाय 130-140 रुपये किलो थी, वह आज 400-500 रुपये किलो हो गई। दाल, चना, राजमा, टमाटर, अरहर, मटर, मूंग सब कुछ लोगों की थाली से दूर होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के लोगों की जेब काटी जा रही है पर भाजपा की संपत्ति बढ़ रही है। सुरजेवाला ने कहा कि पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा 14.23 प्रतिशत थोक महंगाई बढ़ गई है और खुदरा महंगाई लगभग छह प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले सात साल में पेट्रोल डीजल पर कर लगाकर 24 लाख करोड़ रुपये कमाया है, अगर 2014 में कांग्रेस सरकार के समय की एक?साइज ड्यूटी हो तो आज पेट्रोल की कीमत लखनऊ में साढ़े 26 रुपये कम हो जाएगी और डीजल की कीमत सवा 25 रुपये कम हो जाएगी। उन्होंने बढ़ी हुई महंगाई का विस्तार से ब्यौरा देते हुए रेल किराये में वृद्धि का उदाहरण दिया और कहा कि कांग्रेस के समय 32 पैसे प्रति किलोमीटर रेल भाड़ा था लेकिन मोदी जी और योगी ने उस भाड़े को एक रुपये दस पैसे प्रति किलोमीटर कर दिया है, यानी 343 प्रतिशत की वृद्धि हो गई। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अब तक जो भी टीके सरकारों ने लगवाए मुफ़्त लगाए लेकिन पहली बार मोदी जी ने टीका लगवाने के पैसे लिए।

सार समाचार

कोविड नियमों का उल्लंघन कर पार्टी में शामिल होने वाले हांगकांग के अधिकारी ने इस्तीफा दिया

हांगकांग। हांगकांग में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच, एक वरिष्ठ अधिकारी को इस महीने दो सौ अतिथियों के साथ जन्मदिन की एक पार्टी में शामिल होने के कारण सोमवार को इस्तीफा देना पड़ा। चीन की संसद के एक प्रतिनिधि विटमान हंग के जन्मदिन पर आयोजित पार्टी में गृह मामलों के सचिव कैस्पर सुई समेत कई नेता और अधिकारी शामिल हुए थे और बाद में कम से कम एक अतिथि की जांच में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। पार्टी के बाद उनमें से सभी को पृथक-वास में भेज दिया गया था। सुई ने सोमवार दोपहर को जारी के बयान में कहा कि उन्होंने 'हाल में संक्रमण फैलने के दौरान बहुत अच्छा उदाहरण पेश नहीं किया था।' हांगकांग की नेता कैरी लैम और अन्य अधिकारियों ने बड़ी संख्या में एक जगह पर एकत्र नहीं होने के लिए जनता से आग्रह किया था। सुई ने कहा, 'तीन जनवरी को बैंक्वेट में शामिल होकर मैंने गलत निर्णय लिया और अनुचित व्यवहार किया। मैंने यह ऐसे समय किया जब वायरस को फैलने से रोकने के लिए सभी उपाय किये जाने चाहिए थे।' उन्होंने कहा, 'मैंने जो किया उसकी जिम्मेदारी लेता हूं और इसलिए मैंने गृह मामलों के सचिव पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है।

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने पादरी की हत्या की, अन्य घायल

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर पेशावर शहर में रविवार की प्रार्थना के बाद घर लौट रहे एक पादरी की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य को घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी और इसे 'आतंकवादी कृत्य' बताया। पुलिस ने बताया कि पेशावर के गुलबहार इलाके में हुए हमले में बिशप विलियम सिराज को कई बार गोली मारी गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि फादर नईम पैट्रिक घायल हो गए। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू किया। अपराधियों को पकड़ने के लिए प्रवेश और निकास द्वार पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। किसी भी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के लोगों को निशाना बनाकर किए जा रहे आतंकवादी हमले में यह ताजा मामला है। कैपिटल सिटी पुलिस के अधिकारी अब्बास अहसान ने कहा कि घटना में दो हमलावर शामिल थे। उन्होंने कहा, 'इस संबंध में विस्तृत जांच शुरू की गई है।' अधिकारी ने इसे एक 'आतंकवादी कृत्य' बताया। अहसान ने कहा, ह्यह्यहम अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) और पेशावर पुलिस के अधिकारियों की एक टीम बनाई गई है। पुलिस ने कहा कि वे मोटरसाइकिलों पर भागे हमलावरों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा, 'अपराध स्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है।' बयान के अनुसार, 'विलियम सिराज चमकनी पुलिस थाना अंतर्गत एक गिरजाघर में पादरी थे।' 'बयान में कहा गया है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि आगे की जांच जारी है। लेडी रीडिंग अस्पताल के एक प्रवक्ता ने बताया कि घायल पादरी को मामूली चोट आई थी, उन्हें इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी है। पाकिस्तान उलेमा काउंसिल के अध्यक्ष और अंतरधार्मिक सद्भाव एवं पश्चिम एशिया के लिए प्रधानमंत्री के विशेष प्रतिनिधि हाफिज मोहम्मद ताहिर महमूद अशरफी ने पादरी पर हमले की निंदा की। मुख्यमंत्री महमूद खान ने हमले की निंदा की है और पुलिस को हमलावरों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी कानून के शिकंजे से नहीं बच पाएंगे। खान ने घायल फादर के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया। बिशप की हत्या के विरोध में गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने रिंग रोड जाम कर दिया। साल 2017 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। ईसाई समुदाय दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक अल्पसंख्यक है।

कराची के आसमान में दिखी तेज चमक तो घबराकर घरों के बाहर निकल आए लोग

कराची । पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची और सिंध प्रांत के अन्य हिस्सों के आसमान में शनिवार की रात एक रहस्यमय चमक दिखाई दी जो कुछ देर बाद गायब हो गई। बताया जाता है कि यह उल्कापिंड की चमक थी। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने शाम करीब 7 बजे इस उल्कापिंड को गिरते देखा। सोशल मीडिया में इसके कई वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। पाकिस्तानी खगोलविदों ने इस उल्कापिंड के गिरने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा उल्कापिंड धरती के वातावरण में आते ही जल गया होगा और फिर बाद में यह धरती पर गिर गया। मौसम विशेषज्ञ जवाद मेमन ने कहा इस तरह के उल्कापिंड इंसानों के लिए खतरा नहीं होते। उल्कापिंड आसमानी चट्टान होती है जो धरती के वातावरण में प्रवेश करने पर अत्यधिक दबाव का सामना करती है और गर्म होकर जल उठती है। नासा के मुताबिक जो चमकदार पूंछ दिखाई देती है, वह वास्तव में चट्टान नहीं होती है बल्कि गर्म हवा होती है। जब धरती पर बडे.पैमाने पर उल्कापिंड गिरते हैं तो इसे उल्कापिंडों की बारिश कहा जाता है। धरती के वातावरण में हर दिन हजारों की तादाद में उल्कापिंड प्रवेश करते हैं। इनमें से ज्यादातर समुद्र और बंजर इलाकों में गिरते हैं। कई उल्कापिंड दिन में गिरते हैं, इसलिए वे दिखाई नहीं देते हैं। जो उल्कापिंड रात में गिरते हैं, हम केवल उन्हीं को देख पाते हैं। उल्कापिंडों के गिरने के समय कई बार तेज आवाज भी होती है। कराची में उल्कापिंड की रोशनी देखकर कई लोग घबरा गए और अपने घरों से बाहर निकल आए।

गलती से छात्रों के पास पहुंच गया 36 लाख रुपये स्कॉलरशिप देने का संदेश

न्यूयॉर्क । अमेरिका के ऑकलैंड यूनिवर्सिटी के 5500 छात्रों में खुशी की लहर दौड़ उठी जब उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रत्येक छात्र को 36 लाख रुपये स्कॉलरशिप देने का संदेश आया। हालांकि हजारों छात्रों की खुशी ज्यादा देर तक नहीं चली और जल्द ही यूनिवर्सिटी को अपनी गलती का अहसास हो गया।इसके बाद में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक और ईमेल जारी करके बताया कि उसने गलती से स्कॉलरशिप का संदेश भेज दिया था। यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले 18 वर्षीय छात्र ने बताया कि स्कॉलरशिप के ईमेल में लिखा था बधाई। आपने कड़ी मेहनत की है और आपको इसका इनाम दिया जाता है। यह ईमेल 4 जनवरी को भेजा गया था। उन्हें बताया गया कि स्कॉलरशिप के रूप में उन्हें अगले 4 सालों तक पढ़ाई के दौरान कुल करीब 36 लाख रुपये दिया जाएगा। ईमेल को पढ़कर छात्र और उनके परिवार वाले खुश हो गए। हालांकि छात्र और उनके परिवार की खुशी केवल दो घंटे ही चली। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एक और ईमेल भेजकर कहा गया कि गलती से उन्हें यह संदेश भेजा था। ऑकलैंड यूनिवर्सिटी ने कहा कि गलती से उसने 5500 छात्रों को यह स्कॉलरशिप पाने का संदेश भेज दिया था। अपने दूसरे ईमेल में यूनिवर्सिटी ने कहा कि आप प्लेटिनम प्रेसिडेंसियल स्कॉलर अवार्ड पाने वाले नहीं हैं। आपको गलती से संदेश भेज दिया गया था। यूनिवर्सिटी के इस संदेश से हजारों स्टूडेंट का दिल टूट गया जो लाखों रुपये की स्कॉलरशिप मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे। कार्नेल की मां ग्वेन ने कहा, 'मेरा बेटा बहुत दुखी और निराश था क्योंकि उसने इस स्कॉलरशिप के लिए कड़ी मेहनत की थी।

आबू धाबी पहुंचे इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग और उनकी पत्नी मिकेल हरजोग का स्वागत करते हुए यूएई के विदेशमंत्री शेख अब्दुलाह बिन जायद अल नहयान।

कंगाल पाकिस्तान को फिर कर्ज देगा चीन, इमरान की यात्रा में बनेगी सहमति

इस्लामाबाद । नकदी के संकट से जूझ रहा पाकिस्तान चीन से तीन अरब डॉलर का कर्ज जुटाने की कोशिश में है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान की अगले हफ्ते होने वाली चीन यात्रा में कर्ज पर सहमति बन सकती है। खबर के मुताबिक, इमरान तीन फरवरी को बीजिंग का दौरा करने वाले है। इस दौरान उनका चीन के शीर्ष नेताओं से मुलाकात का भी कार्यक्रम है।

पाक सरकार के अधिकारियों ने कहा कि इमरान की यात्रा के दौरान चीन तीन अरब डॉलर के एक और कर्ज को मंजूरी दे सकता है। चीन पहले ही पाकिस्तान को 11 अरब डॉलर के कर्ज दे चुका है। पिछले वित्त वर्ष में पाकिस्तान ने ब्याज के तौर पर चीन को 26 अरब पाकिस्तानी रुपये का भुगतान किया था।

इसके अलावा पाकिस्तान प्राथमिकता वाले छह क्षेत्रों में चीन का निवेश आकर्षित करने के लिए भी कोशिश में लगा हुआ है।

पाकिस्तान निवेश बोर्ड के प्रमुख अजफर अहसान ने कहा, ह्यह्यहम कपड़ा, फुटवियर, फार्मा, फर्नीचर, कृषि, वाहन व सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में चीन से निवेश जुटाने की कोशिश में लगे हुए है। इसके लिए पाकिस्तान चीन की करीब 75 कंपनियों को पश्चिम एशिया, अफ्रीका व विश्व के अन्य हिस्सों तक व्यापार मार्ग देने का भी भरोसा दिलाएगा। इससे ढुलाई और श्रम की लागत में कमी आएगी। संघीय नियोजन व विकास मंत्री असद उमर ने कहा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा प्राधिकरण के सक्रिय होने के बाद सरकार ने विदेशी निवेश जुटाने के लिए इन क्षेत्रों को चिह्नित किया है।

उ.कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिकी क्षेत्र तक कर सकती है हमला

सियोल। (एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने सोमवार को पुष्टि की कि उसने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है, जो अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक मार करने में सक्षम है। हाल के वर्षों में यह उत्तर कोरिया का सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जतायी है। वहीं, उत्तर कोरिया इन परीक्षणों के जरिए परमाणु कूटनीति में गतिरोध के बीच बाइडन प्रशासन पर दबाव बना रहा है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया के हाल में हथियारों का परीक्षण तेज करने का मतलब है कि वह प्रतिबंधों में ढील चाहता है या वैध परमाणु संपन्न देश के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मान्यता चाहता है। उन्होंने कहा कि अगर रविवार के परीक्षण को लेकर उत्तर कोरिया पर नए प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वह और बड़े परीक्षण कर सकता है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने बताया कि रविवार को हुए हवासोंग-12 मिसाइल के परीक्षण का उद्देश्य चुनिंदा रूप से बनायी और तैनात की जा रही इस मिसाइल का मूल्यांकन करना और इसकी सटीकता का सत्यापन करना था। उसने बताया कि मिसाइल पर लगे कैमरे ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की एक तस्वीर कैद की और रक्षा विज्ञान अकादमी ने इस हथियार प्रणाली की सटीकता, सुरक्षा और प्रभावशीलता की पुष्टि की। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसने मिसाइल को अपने पूर्वी तट की ओर दागा। उसने अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

दक्षिण कोरिया और जापान के आकलन के अनुसार, मिसाइल अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की। इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था, जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। हवासोंग-12 जमीन से जमीन तक मार करने में सक्षम परमाणु संपन्न मिसाइल है। यह अधिकतम 4,500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकती है। अमेरिका के ग्वाम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए यह दूरी पर्याप्त है। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षणलंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है। रविवार के परीक्षण के बाद व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कहा कि वह ताजा मिसाइल परीक्षण को पिछले कई महीनों से चल रहे उकसावे वाले कृत्यों को बढ़ाने के तौर पर देखते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि बाइडन प्रशासन की उत्तर कोरिया को यह दिखाने के मकसद से आने वाले दिनों में इस ताजा मिसाइल परीक्षण का जवाब देने की योजना है कि वह क्षेत्र में अपने सहयोगियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद, 100 से अधिक पूर्व सैनिक मारे गए : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि तालिबान के पिछले साल 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से अफगानिस्तान की पूर्व सरकार, उसके सुरक्षा बलों और अंतरराष्ट्रीय सैनिकों के साथ काम करने वाले 100 से अधिक पूर्व सैनिक मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को विश्वसनीय माध्यमों से इस बाबत जानकारी मिली है। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को रविवार को मिली रिपोर्ट में गुतारेस ने कहा कि तालिबान द्वारा पूर्व सरकार और अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना से संबद्ध लोगों के लिए 'सामान्य माफी' की घोषणा के बावजूद, तालिबान या उसके सहयोगियों पर 'दो-तिहाई से अधिक' लोगों की न्यायेतर हत्या का आरोप है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सौंपी गई रिपोर्ट में गुतारेस ने कहा कि अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन को आईएसआईएल-केपी के साथ संबद्धता के संदेह में कम से कम 50 लोगों की न्यायेतर हत्या किए जाने की विश्वसनीय माध्यमों से जानकारी मिली है। आईएसआईएल-केपी, अफगानिस्तान में सक्रिय इस्लामिक स्टेट चरमपंथी संगठन है। गुतारेस ने कहा कि तालिबान के आश्वासन के बावजूद, पूर्व सरकार और गठबंधन के सदस्यों के 'जीवन के अधिकार को प्रभावित करने तथा अन्य उल्लंघनों' की जानकारी संयुक्त राष्ट्र के राजनीतिक मिशन को मिली है। गुतारेस ने कहा कि मानवाधिकार के रक्षक और मीडियाकर्मी भी 'हमले, धमकी, उत्पीड़न, मनमाने ढंग से गिरफ्तारी, दुर्व्यवहार और हत्या' जैसे अपराधों के शिकार हुए हैं।

रूस और यूक्रेन तनाव के बीच अमेरिका ने परमाणु बम गिराने का अभ्यास किया

कीव (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन में जंग के मंडराते बादलों के बीच अमेरिका ने परमाणु बम गिराने का अभ्यास शुरू किया है। अमेरिकी परमाणु हथियारों का जिम्मा संभालने वाले स्ट्रेटजिक कमांड ने ग्लोबल लाइटनिंग अभ्यास शुरू किया है। व्यापक अभ्यास का मकसद अमेरिकी सेना की परमाणु युद्ध की तैयारियों को जांचना है। अमेरिका ने अभ्यास उस समय पर शुरू किया है जब काला सागर में रूसी नौसेना के युद्धपोत जोरदार युद्धाभ्यास कर रहे हैं। वहीं यूक्रेन की सीमा पर रूस ने 1 लाख सैनिकों को तैनात किया है। खबरों के मुताबिक परमाणु बम गिराने के अभ्यास की अमेरिका ने लंबे समय से योजना बनाई थी लेकिन अब रूस-यूक्रेन तनाव के बीच इसके शुरू करने पर विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन चेतावनी दे रहे हैं कि रूस-यूक्रेन पर हमला कर सकता है। उन्होंने अपने हजारों सैनिकों को भी पूर्वी यूरोप में तैनात करने का ऐलान किया है। इससे पहले अप्रैल 2021 में अमेरिका ने अंतिम बार ग्लोबल लाइटनिंग ड्रिल का आयोजन किया था। पिछले साल हुए अभ्यास में अमेरिकी सेना ने रूस के साथ काल्पनिक तनाव के दौरान परमाणु बम गिराने का अभ्यास किया था। बताया जा रहा है कि इस साल अमेरिकी सेना चीन के साथ तनाव के दौरान परमाणु युद्ध का अभ्यास करेगी। खबरों के मुताबिक अभ्यास के दौरान किसी परमाणु बम, या उसके लांच का अभ्यास नहीं किया जाएगा। इसकी जगह पर यूएस स्ट्रेटिक कमांड न्यूक्लियर कमांड और कंट्रोल के सर्किट और परमाणु युद्ध योजना के मुताबिक निर्णय निर्माण क्षमता का परीक्षण करेगी। इस परमाणु युद्ध योजना को साल 2019 में ही अपडेट किया गया है। इसमें अब आतंकियों से निपटने की बजाय महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्द्धा पर फिर से फोकस करने पर जोर दिया गया है। इस ताजा अपडेट में कहा गया है कि अमेरिका पर अगर परमाणु हमला होता है,तब कुछ न कुछ सैनिक जरूर बच जाएंगे और जो बच जाएंगे वे दुश्मन देश पर तब तक परमाणु हमला करने वाले हैं।

चीनी न्यू ईयर 2022: क्या होता है लूनर न्यू ईयर, क्या है इसका इतिहास और महत्व

बीजिंग (एजेंसी)

लूनर न्यू ईयर को दुनिया के लगभग दो अरब लोग मनाते हैं। जिसे चीनी नव वर्ष और वसंत महोत्सव के रूप में भी जाना जाता है, यह दुनिया भर में चीनी समुदायों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें परंपराएं दूसरे से थोड़ी भिन्न होती हैं। उत्सव की शुरूआत शीतकालीन संक्रांति के बाद दूसरे चंद्रमा के उदय के साथ होती है। चीन में सोमवार यानी 31 जनवरी से धूमधाम सेस लूनर न्यू ईयर मनाया जा रहा है। दुनियाभर के बड़े देशों के नेताओं ने इस दिन की बधाई दी है। ऐसे में आज आपको बताते हैं कि आखिर क्या है लूनर न्यू ईयर 2022, इसका इतिहास क्या है और क्या मायने रखता है।

लूनर न्यू ईयर 2022 की तिथि

लूनर न्यू ईयर बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष समारोह के मुख्य दिन 31 जनवरी (नव वर्ष की पूर्व संध्या) और 1 फरवरी होंगे। लूनर न्यू ईयर प्रत्येक वर्ष एक ही तिथि को नहीं पड़ता है और चंद्रमा के चक्रों के अनुसार मनाया जाता है। यह आमतौर पर ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक वर्ष 20 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। प्रत्येक वर्ष राशि चक्र के 12 जानवरों में से एक के साथ जुड़ा हुआ है - चूहा, बैल, बाघ, खरगोश, अजगर, सांप, घोड़ा, बकरी, बंदर, मुर्गा, कुत्ता और सुअर। वर्ष 2022 बाघ का वर्ष है, जबकि 2021 बैल का वर्ष था।

समारोह

लोग अपने घरों को साफ करते हैं और पिछले साल के दुखों और दुर्भाग्य को पीछे छोड़ते हुए भाग्य और समृद्धि की कामना करते हैं। चीनी लोगों के लिए लाल रंग का बहुत महत्व है और इस दिन घरों को चमकीले लाल बैनरों से सजाया जाता है और बच्चों को लाल लिफाफे में पैसे दिए जाते हैं। लोग उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं, भव्य दावतों की मेजबानी करते हैं। अपने नए साल के जश्न को ढेर सारी आतिशबाजी, पटाखों, नाचते हुए ड्रेगन और शेरों के साथ चिह्नित करते हैं। यह उत्सव दो सप्ताह तक चलता है और इस वर्ष यह 15 फरवरी को पूर्णिमा के दिन लालटेन उत्सव के साथ समाप्त होगा।

इतिहास और महत्व

चीनी नव वर्ष 14वीं शताब्दी ईसा पूर्व का बताया जाता है। किंवदंतियां हैं कि प्राचीन काल में नियान नामक एक राक्षस था जिसने लोगों पर हमला किया और बहुत आतंक फैलाया। हालाँकि वह लाल रंग, पटाखों की आवाज और आतिशबाजी की दृष्टि से भयभीत था। लोगों ने उसे डराने और भगाने के लिए इन चीजों का इस्तेमाल किया। माना जाता है कि उस दिन से लोग चीनी नव वर्ष मनाते हैं।

अन्य देश जो लूनर न्यू ईयर मनाते हैं

पूर्वी एशियाई देशों ने भी इस दिन को धूमधाम से मनाया। वियतनाम, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और मंगोलिया जैसे देश इसे एक ही दिन अलग-अलग नामों और परंपराओं के साथ मनाते हैं।

4 मार्च को आसमान में होगी भयंकर तबाही! चांद से टकराने वाला है अनियंत्रित रॉकेट, घटना का गवाह बनेगा भारत का चंद्रयान-2

बीजिंग/इस्लामाबाद (एजेंसी)

आसमान में गहरे राज छुपे हुए हैं और इन्हीं रहस्यों को जानने के लिए भारत का इसरो, अमेरिका का नासा और साथ में जापान, रूस, चीन व न जाने कितने ही देश अपने-अपने स्तर पर अंतरिक्ष के गूढ़ रहस्यों को बाहर लाने के लिए महंगे और चुनौतीपूर्ण मिशन कर रहे हैं। इसी लिस्ट में विश्व के सबसे अमीर शख्स एलेन मस्क की स्पेस कंपनी स्पेस एक्स भी शामिल है। स्पेस एक्स भी मंगल और चांद समेत कई अभियानों को अंजाम देने वाली है और दे भी रही है। लेकिन एलेन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स ने अंतरिक्ष में एक बड़ा खेल कर दिया है। जिससे एक बेकाबू रॉकेट की चांद पर भयंकर टक्कर होने वाली है और इस घटना का भारत का चंद्रयान-2 गवाह बनेगा।

अंतरिक्ष में क्या होने वाला है?

फरवरी 2015 की जब एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने फॉल्कन 9 रॉकेट से पर्यावरण पर नजर रखने वाले सैटेलाइट को अंतरिक्ष में 15 लाख किलोमीटर दूर पहुंचाया था। उसके बाद से रॉकेट का ईंधन खत्म हो गया। तब यह से 4400 किलोग्राम वजनी रॉकेट बूस्टर अंतरिक्ष में घूम रहा था। अब यह उम्मीद लगाई जा रही है कि 4 मार्च 2022 को यह रॉकेट चांद की सतह से 9288 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टकराएगा। ये दावा नियर अर्थ ऑब्जेक्ट को ट्रैक करने वले बिल ग्रे ने किया है। 21 जनवरी को बिल ग्रे ने अपने ब्लॉग में लिखा की पांच जनवरी को एक स्पेस जंक चांद के बगल से गुजरा. जो 4 मार्च 2022 को चांद की सतह से टकरा सकता है।

क्या ऐसा पहली बार हो रहा है?

आपको बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है कि चांद की सतह पर इंसानों द्वारा बनाया गया कोई रॉकेट टकरा रहा हो। इससे पहले भी सैटेलाइट चांद की सतह से टकरा चुके हैं। साल 2009 में अमेरिका का लूनर क्रेटर ऑब्जरवेशन एंड सेंसिंग सैटेलाइट चांद के दक्षिणी ध्रुव पर 9 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से टकराया था।

रॉकेट के गिरने की तस्वीर खींच सकता है चंद्रयान-2

ग्रे के मुताबिक, चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे भारत के चंद्रयान-2 ऑर्बिटर और नासा के लूनर रेकॉन्सेन्स ऑर्बिटर फाल्कन 9 रॉकेट के गिरने की तस्वीर खींच सकते हैं। भारत ने चंद्रयान-2 मिशन को साल 2019 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। इसे देश के अंतरिक्ष इतिहास की एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा गया।

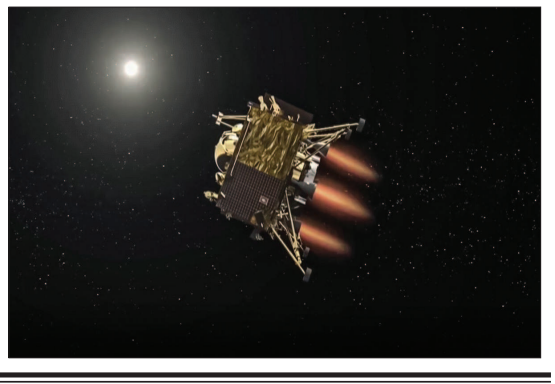

सुविचार — कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। - हरिवंश राय बच्चन

संपादकीय

टला नहीं संकट

यह धारणा शायद बीते वर्ष में ही रह गई कि कोविड-19 से सुरक्षा में तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) बहुत प्रभावी होगी। खासकर ओमीक्रोन के बाद तो कुछ देश चौथी खुराक भी देने लगे हैं। क्या पांचवीं, छठी व उसके बाद भी खुराक की जरूरत पड़ेगी? एक के बाद एक खुराक ली जाए, क्या यह व्यावहारिक है? क्या ये टीके बार-बार देने के लिए बनाए गए हैं? ज्यादातर वैज्ञानिक मानते हैं कि बार-बार टीके देने की यह रणनीति व्यावहारिक नहीं है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन के प्रतिरक्षा विज्ञानी डैनी ऑल्टमैन का कहना है कि 'हम टीकाकरण के मोर्चे पर पूरी तरह से अनजान क्षेत्र में हैं। हम एक आपातकालीन उपाय के रूप में लगातार एमआरएनए बूस्टर के वास्तविक कार्यक्रम में झटके खा चुके हैं। यह वास्तव में आगे का रास्ता नहीं लगता है।' इजरायल के क्लैलिट हेल्थ इंस्टीट्यूट के सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक रैन बालिसर कहते हैं, जनवरी की शुरुआत में इजरायल ने वृद्धों, कमजोर लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को चौथी खुराक देने की शुरुआत कर दी है। इस हफ्ते आए इजरायल के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि चौथी खुराक संक्रमण और गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करती है। हालांकि, आने वाले दिनों में जब और आंकड़े आएंगे, तब स्थिति ज्यादा स्पष्ट होगी। बूस्टर डोज को लेकर शोधकर्ताओं में बहस तेज हो गई है। कोविड-19 का हमला और उसके नए-नए प्रकार का सामने आना, कुछ इतनी जल्दी में हो रहा है कि वैज्ञानिक साफ तौर पर कुछ बता नहीं पा रहे हैं। इलाज की राह में उन्हें जहां भी कुछ संभावना लग रही है, हाथ-पांव मार रहे हैं। संक्रमण को रोकना बड़ी चुनौती है और वायरस के नए-नए प्रकार लगातार तनाव बढ़ाए चले जा रहे हैं। एक बड़ा तनाव यह भी है कि दो खुराक ले चुके लोगों में भी संक्रमण क्यों देखा जा रहा है? क्या बूस्टर भी लंबे समय तक संक्रमण को रोकने में नाकाम हो रहे हैं? फिक्र इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि कोई भी वैज्ञानिक गारंटी देने की स्थिति में नहीं है। इजरायल में पिछले वर्ष जून व नवंबर के बीच जुटाए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि बूस्टर डोज के एक तिहाई मामलों में प्रतिरक्षा कुछ ही महीने में कम हो जा रही है। यह दुखद है, जब कई देशों में लोगों को पहली खुराक भी नहीं लगी है, तब इजरायल, चिली, कंबोडिया, डेनमार्क व स्वीडन जैसे देश चौथी खुराक पर पहुंच रहे हैं। चार खुराक से भी एंटीबॉडी का स्तर बढ़ता है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है। बोलिसर कहते हैं, 'अंतहीन बूस्टर खुराक देने के बजाय महामारी को धीमा करने का एक बेहतर तरीका नए टीकों को विकसित करना होगा। ऐसे टीके बनाने पड़ेंगे, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान कर सकें। ओमीक्रोन-विशिष्ट टीकों पर पहला डाटा आगामी महीने में आने की उम्मीद है। हालांकि, अभी भी एक व्यापक कारगर टीके के लिए हमें इंतजार करना पड़ सकता है। क्या हम ऐसी कोई एक वैक्सीन खोज पाएंगे? कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सांताक्रूज में रोग पारिस्थितिकीविद् मॉर्म किलपैट्रिक कहते हैं, 'वायरल विकास से निपटने के दौरान हमेशा अनिश्चितता होती है।' न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ पीटर मैकइंटायर का तर्क है कि जब तक हमारे पास नए टीके नहीं हैं, दूसरे उपायों और एंटीवायरल दवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

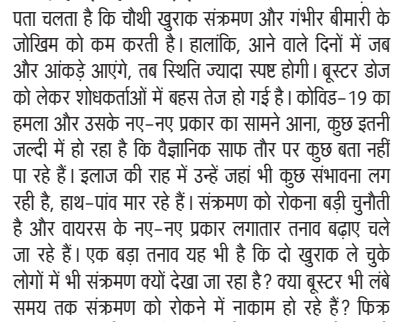

MSP को लेकर बड़ी घोषणा कर सकती है सरकार

– प्रह्लाद सबनानी

कोरोना महामारी के दौरान केवल कृषि क्षेत्र ही एक ऐसा क्षेत्र रहा था जिसने विकास दर हासिल की थी अन्यथा उद्योग एवं सेवा क्षेत्र ने तो ऋणात्मक वृद्धि दर हासिल की थी। देश की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी गांवों में निवास कर रही है एवं इस समूह को रोजगार के अवसर मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र ही उपलब्ध करवाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि उत्पादन का हिस्सा 16 से 18 प्रतिशत के आसपास रहता है एवं अब यह धीमे-धीमे बढ़ रहा है। देश में उद्योगों को प्राथमिक उत्पाद भी कृषि क्षेत्र ही उपलब्ध कराता है। इस प्रकार यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए कि कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का मूलभूत आधार है। इसी कारण से कृषि और किसान कल्याण संबंधी योजनाएं हमेशा ही केंद्र सरकार की प्राथमिकता में रही हैं। केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि देश का किसान आर्थिक रूप से मजबूत एवं सम्पन्न हो। हाल ही के समय में किसानों द्वारा उत्पादित कृषि पदार्थों की लागत बढ़ी है इसका मुख्य कारण डीजल, खाद एवं बीज के दामों में हुई तेज वृद्धि है। उक्त कारणों से कृषि क्षेत्र को वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट से बहुत उम्मीदें हैं। केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रयास करती रही है कि वर्ष 2022 तक किसानो की आय दुगुनी हो जाए। परंतु पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना महामारी के चलते हालांकि केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं कुछ बदली हैं परंतु फिर भी कृषि क्षेत्र की ओर केंद्र सरकार का ध्यान लगातार बना रहा है और धान, गेहूं एवं अन्य कृषि पदार्थों के समर्थन मूल्य में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की गई है फिर भी कोरोना महामारी के कारण किसानों की आय दुगनी करने सम्बंधी लक्ष्य को हासिल नहीं किया जा सका है। विश्व में सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं पांच छह साल पीछे पहुंच गईं हैं। लेकिन भारत में ऐसा नहीं हुआ है, कृषि क्षेत्र तो इस काल में भी वृद्धि दर्ज करता रहा है। अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि केंद्र सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट के माध्यम से कृषि पदार्थों के समर्थन मूल्य योजना पर विशेष घोषणा कर सकती है। भारतीय किसान यदि परम्परागत कृषि पदार्थों यथा गेहूं एवं धान की खेती से इतर कुछ अन्य पदार्थों यथा फल, सब्जी, तिलहन, दलहन आदि की खेती को बढ़ाता है तो यह किसान एवं देश को कृषि के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने में मदद कर सकता है। आज देश में खाद्य तेलों की कुल खपत का लगभग 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करना होता है क्योंकि प्रति व्यक्ति खाद्य तेल का उपयोग देश में बहुत बढ़ा है और इस प्रकार तिलहन की पैदावार को बढ़ाया जाना अत्यंत आवश्यक है। हालांकि इस ओर केंद्र सरकार का ध्यान गया है एवं इस वर्ष रबी के मौसम में देश में तिलहन का बुवाई क्षेत्र काफी बढ़ा है। तिलहन के रकबे में 18.30 लाख हेक्टेयर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष की समान अवधि में 82.86 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में तिलहन की बुवाई की गई थी जो इस वर्ष बढ़कर 101.16 लाख हेक्टेयर में हुई है। दलहनी फसलों के रकबे में भी 1.47 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। चने का रकबा तो 4.25 लाख हेक्टेयर से बढ़ा है। पिछले वर्ष की समान अवधि में दलहनी फसलों का रकबा 162.88 लाख हेक्टेयर रहा था जो इस वर्ष बढ़कर 164.35 लाख हेक्टेयर हो गया है। अब तो देश में कई ऐसे कृषि पदार्थ हैं जिनका देश में कुल खपत की तुलना में बहुत अधिक उत्पादन हो रहा है। अतः इन पदार्थों के निर्यात को आसान बनाए जाने की भी जरूरत है ताकि किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम मिल सके एवं इससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। इसके लिए कृषि उत्पादों के ग्रेडिंग किए जाने की सख्त आवश्यकता है जिसके चलते छोटे-छोटे किसान भी अपने कृषि उत्पादों का सीधे ही अन्य देशों को निर्यात कर सकते हैं। भारत आज पूरे विश्व को डॉक्टर एवं इंजीनीयर उपलब्ध कराने में पहले नम्बर पर है एवं इस क्षेत्र में भारत प्रतिस्पर्धी बन गया है परंतु कृषि उत्पादों के निर्यात के मामले में यह स्थिति हासिल नहीं की जा सकी है। पिछले 7 वर्षों का कार्यकाल यदि छोड़ दिया जाये तो यह ध्यान में आता है कि इससे पिछले 70 वर्षों में भारत में कृषि क्षेत्र पर उतना ध्यान नहीं दिया जा सका है जितना दिया जाना चाहिए था। किसानों को कृषि कार्य के लिए आसान शर्तों एवं कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को बहुत सरल बना दिया गया है परंतु किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से प्रदान किए गए ऋण खातों में यदि प्रतिवर्ष (अथवा फसल के सायकल के अंतर्गत) पूरी ऋण राशि ब्याज सहित अदा नहीं की जाती है तो इन ऋण खातों को गैर निष्पादनकारी आस्तियों में परिवर्तित कर दिया जाता है एवं इन खातों में ऋण राशि को बढ़ाया नहीं जा सकता है तथा इन ऋणों पर लागू ब्याज की दर भी अधिक हो जाती है। जबकि गैर कृषि ऋण खातों में केवल ब्याज अदा कर दिए जाने पर ही इन खातों को गैर निष्पादनकारी आस्तियों की श्रेणी से बाहर रखा जाता है, अर्थात इन खातों में ऋण राशि वापिस जमा कराना आवश्यक नहीं है। इस प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड के सम्बंध में उक्त नियमों को शिथिल बनाए जाने की आवश्यकता है। देश में कोरोना महामारी के चलते ग्रामीण इलाकों में चूंकि बेरोजगारी की समस्या गम्भीर बनी हुई है अतः केंद्र सरकार को एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बजट 2022-23 में और अधिक राशि का प्रावधान किए जाने की आवश्यकता होगी। एमजीनरेगा योजना के अंतर्गत अधिकतम कृषि कार्य कराए जाने का प्रावधान भी किया जाना चाहिए। न्यूनतम समर्थन मूल्य वैसे तो लगभग 23/24 फसलों के लिए घोषित किया जाता है लेकिन वास्तव में पिछले 40 वर्षों से केवल पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़ आदि क्षेत्रों से ही अधिकतम फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद ली जाती है एवं इस योजना का बहुत अधिक लाभ देश के अन्य भागों के किसानों को नहीं मिल पा रहा है। अतः इस योजना का लाभ किस प्रकार देश के अन्य भागों के किसानों को लगभग सभी प्रकार की फसलों के लिए मिले, इसके लिए भी इस बजट में कुछ नई नीतियों की घोषणा होने की सम्भावना है। पशुपालन, डेयरी एवं मछली पालन आदि ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि सम्भव है। अतः इन क्षेत्रों के लिए भी बजट में आवंटन बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमारे देश में कृषि के क्षेत्र में अन्य देशों की तुलना में उत्पादकता बहुत कम है। चीन से यदि हम अपनी तुलना करते हैं तो ध्यान में आता है कि चीन की तुलना में प्रति हेक्टेयर पैदावार 50 प्रतिशत से भी कम है। चीन के अलावा अन्य देशों से भी जब हम धान, कपास, मिर्ची, तिलहन, दलहन, आदि उत्पादों के प्रति हेक्टेयर उत्पादन की तुलना करते हैं तो अपने आप को उत्पादकता की श्रेणी में बहुत नीचे खड़ा पाते हैं। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी कृषि क्षेत्र में कार्यरत है जबकि भारत में 50 प्रतिशत के आसपास आबादी कृषि क्षेत्र से अपना रोजगार प्राप्त करती है। भारत से कृषि उत्पादों के निर्यात में यदि तेज वृद्धि दर्ज करनी है तो हमें अपनी कृषि उत्पादकता बढ़ानी ही होगी। अतः इस क्षेत्र में बहुत अधिक काम करने की आवश्यकता है।

हार-जीत से बड़ा है सक्षम बनना

अंतर्मन/ अमिताभ स.

'सफलता और असफलता में से किसी एक का पलड़ा भारी नहीं है, क्योंकि सीखते हम दोनों से हैं।' कहना है, इसरो के पूर्व प्रमुख व जाने-माने वैज्ञानिक डॉ. के. सिवन का। सच है कि जीत या सफलता एक मनःस्थिति है। लेकिन कुछ हासिल करना या किसी को परास्त करना, वास्तव में जीत कहां है? आप जैसे हैं, वैसे ही खुश हैं, यह सफलता के असल मायने हैं। बस खेलते रहना जीत से कम बड़ी बात नहीं है। जीतने या हारने से ज्यादा अहमियत सक्षम बनने की है। सयाने बताते हैं कि जिंदगी जीने की जो सीख खेल-खेल में मिलती है, वह किसी से नहीं मिलती। सुबह की सैर और जिम में कसरत सेहत जरूर दुरुस्त रखते हैं, लेकिन खेलों जैसा चौतरफा व्यक्तित्व निखार नहीं ला पाते। हारना सिखाना ही खेलों की बड़ी खूबी है। जबकि कोई हारना नहीं चाहता, न ही किसी को हारना आता है। स्कूली और गली-मोहल्लों के खेलों में तो बचपन ही गुजरता है कि हारते जाओ, फिर भी खेलते जाओ। कोई कितना हारे, खेलने के मौके कम नहीं होते। खेलों की भांति जिंदगी में भी तमाम चुनौतियों से दो-चार होना पड़ता है- कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं। जाने-माने उद्योगपति अज़ीम प्रेमजी बताते हैं, 'कोई सौ में से सौ दांव नहीं जीतता है। अपनी हार को भी सामान्य तौर पर लीजिए। हार के लिए खुद को सज़ा मत दीजिए। हार मानिए, अपने हिस्से की समस्या से सीखें और आगे बढ़िए।' और फिर, जीतने का इतना महत्व नहीं होता, जितना जीतने के लिए प्रयास करने का होता है। एक दौड़ प्रतियोगिता में केन्या का एथलीट हाबिल मुताई भाषा की दिक्कत की वजह से 'दौड़ पूरी हो गई' लिखे मार्क को समापन बिंदु मान कर फिनिश लाइन से कुछ फुट पहले रुक गया। उसके पीछे आ रहे स्पेनिश एथलीट इवान फर्नांडीज ने चिल्लाकर उसे रेस जारी रखने को कहा। लेकिन मुताई को स्पेनिश में कहा समझ नहीं आया। स्पेनिश एथलीट ने आव देखा न ताव, उसे जीतने के लिए इतनी जोर से धक्का दे मारा, ताकि वह फिनिश लाइन पार कर जाए। ऐसा करके इवान खुद हार कर भी जीत गया। ज़ाहिर होता है कि जीतने की इच्छा रखना, लेकिन जरूरत पड़े, तो हारने के लिए तैयार रहना, अपनी जीत और हार को शालीनता से सम्भालना- यही खूबियां हैं, जो खेल से किसी इंसान के अंदर आती हैं, आनी चाहिए। सद गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'जो हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, वे हमारे दुश्मन नहीं होते। ये लोग हमें खुद की कमियों को याद दिलाते रहते हैं। साथ ही, हमारी गुणवत्ता को कायम रखते हैं।' हर मैच को जीतना सही गोल या लक्ष्य नहीं होना चाहिए। हर खेल जीतना ही मकसद होगा, तो हार से आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। इसलिए बेहतरीन खेलना ही हर खिलाड़ी का मकसद होता है। तय है कि खेल-खेल कर सीखने वाला कभी नहीं हारता। ज़िंदगी के भी हर मोर्चे पर बेशक हारते जाएं, लेकिन मन से कभी नहीं हारना चाहिए। और अगर कोई विजेता बनना चाहे, तो उसे पहले विनम्र, प्रेममय, शांतिमय और आनंदमय इंसान बनना होगा। शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद इस हद तक लिखते हैं, 'जीतना आसान है। कठिन तो उसके बाद का दौर है। हार प्रयोग करने की प्रेरणा देती है। जीत इस राह पर चलने की प्रेरणा दे ही नहीं सकती। हरेक का हर परफ़ॉर्मेंस जीत-हार और सफलता- असफलता के दो स्तम्भों के बीच झूलता है।' खोने और पाने का सिलसिला हरेक के साथ ताउम्र जारी रहना चाहिए। आप कर सकते हैं, मन में यह विश्वास हो, तो आधी जीत मिल जाती है। इसीलिए माना जाता है कि जिंदगी किसी खेल या परीक्षा की तरह जोखिम से भरी है। कोई इसे पहेली कहता है, कोई इम्तिहान, तो कोई मौका। जो बीत गया, उसे हरगिज दुरुस्त नहीं किया जा सकता, लेकिन आने वाले दौर का निर्माण किया जा सकता है। हार या फेल का रोना भूल कर और खुद पर यकीन कर हर इंसान अपने लक्ष्य के काफी समीप पहुंच सकता है। क्योंकि हर इंसान अपनी किस्मत खुद रचता है। जब किस्मत रचने में असफल होता है, तब वह नियति बन जाती है। जाने-माने कार उत्पादक हेनरी फोर्ड ने एक दफा कहा था, 'सफल शख्स का राज़ यही है कि वह अपनी मंजिल पाने के लिए क्या जरूरी है, यह जान जाता है और उस पर अमल करता है।' बचपन में स्कूली पाठ्य पुस्तक में पढ़ी कथाकार सुदर्शन की कालजयी कहानी 'हार की जीत' जीवन भर याद रहती है। कहानी संदेश देती है कि मन छोटा किए बगैर मेहनत और साफ़ नीयत की बदौलत हार भी जीत में तब्दील हो सकती है। बड़े कमाल की बात है कि ऑस्ट्रेलिया की सेना की कोर टीम में भर्ती के लिए विजेताओं की बजाय हारे फ़ौजियों को प्राथमिकता दी जाती है। आविष्कारक थॉमस एडिसन की राय में, 'कतई मत कहिए कि मैं 99 दफा हारा हूं। बल्कि कहें कि मैंने हारने की 99 वजहें ढूंढ़ी हैं।' और फिर उन्हीं वजहों को पार करते-करते जीत की राह खुलती है। उधर उद्योगपति रतन टाटा भी मानते हैं कि तुम्हारी नाकामी सिर्फ तुम्हारी है, तुम्हारी पराजय सिर्फ तुम्हारी है। किसी को दोष देने की बजाय, गलती से सीखो और आगे बढ़ते जाओ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्द यही संदेश देते हैं- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। निरंतर थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ते रहना ही जीत समझिए।

आज के कार्टुन

प्रणिधान

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईश्वर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, ईश्वर को स्थापित करना। परमात्मा हमारे हृदयों में विराजमान है। गीता कहती है-ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। सर्वव्यापक परमात्मा हर एक के रोम-रोम में रम रहा है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। कहने को तो लोग ईश्वर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईश्वर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईश्वर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईश्वर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईश्वर के निमित्त नहीं लगाते। यदि सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईश्वर को एक बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, सम्पदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्थ्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए ईश्वर को टटोलते हैं या कोई विपत्ति आ जाने पर छुटकारे के लिए उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईश्वर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवां नियम ईश्वर पूजा नहीं वरन ईश्वर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईश्वर प्रणिधान का चिह्न है। मंदिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईश्वर प्रणिधान में ईश्वर की प्रतिमा का हृदय में, अंतःकरण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घण्टे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है।

सू-दोकू नवताल -2034

3	9			8	2		7	4
5	2		3	4			8	1
				9		5		
4	8	3	6		9			7
	1						9	
2			1		8	3	4	6
		8		6				
1	5			3	7		6	9
7	4		9	1			3	2

सू-दोकू -2033 का हल

7	4	1	3	8	5	2	6	9
2	6	8	9	7	4	1	3	5
3	5	9	6	1	2	8	7	4
6	1	5	7	9	3	4	2	8
9	8	7	2	4	1	6	5	3
4	3	2	8	5	6	7	9	1
5	7	4	1	6	9	3	8	2
8	9	3	4	2	7	5	1	6
1	2	6	5	3	8	9	4	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2034

बायें से दायें:-

1. आमिर खान, की 'बम बम बोले मस्ती में डोले' गीत वाली फिल्म-2,3,2
5. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-2
6. धर्मेन्द्र, सुनील दत्त की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-3
7. 'तेरी चाहत में दीवाना हूं' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना जेटली की फिल्म-4
8. सलमान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
10. 'हमने घर छोड़ा है' गीतवाली फिल्म-2
11. फिल्म 'शिवा' में मोहित अहलावत के साथ नायिका-2
13. 'काश हौले हौले तू मेरा होले' गीत वाली गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की फिल्म-1
14. अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, प्रीति जिंटा, ग्रेसी सिंह की 'मेरी जिंदगी में आये हो' गीत वाली फिल्म-4
16. राजेंद्र कुमार, मालासिन्हा की फिल्म-2
18. फिल्म 'क्योंकि' में करीना कपूर के साथ नायक कौन था-4
19. फिल्म 'दुल्हन एक रात की' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-3
20. अजय देवगन, ट्विंकल न्ना की 'बेईमान पिया रे' गीतवाली फिल्म-2
23. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-2
24. आमिर, मनीषा कोइराला की 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली राजेश खन्ना, मिथुन चक्रवर्ती, शबाना आजमी, दीप्ति नवल की फिल्म-4
28. जैकी, डिम्पल कपाड़िया की 'क्या है तम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-2
29. फिल्म 'कसूर' में लिसा रे के साथ नायक कौन था-4
30. ईशा कोप्पिकर की 'प्यार धोखेबाज यार धोखेबाज' गीत वाली फिल्म-1
31. 'क्यूं मेरा दिल तुझको चाहे' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

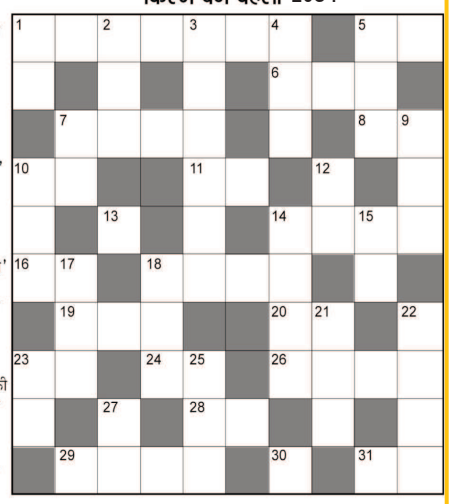

1. 'इश्क बिना क्या जीना' गीत वाली अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
3. 'रात कली एक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म 'बुड्ढा मिल गया' में नायक कौन था-3,3
4. 'गोरी जो मटके बालों को झटके' गीत वाली फिल्म-3
5. 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-3
7. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-2
9. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
10. सनी दओल, बॉबी देओल, उर्मिला मार्तोंडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मैं नए जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन, रीना राय की फिल्म-2
14. कपिल गुप्ता, आमिर अली, महक चहल की 'आवारा बादल नहीं मैं' गीत वाली फिल्म-4
15. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
17. फिल्म 'हाथी मेरे साथी' की नायिका-3
18. 'खुदा करे मोहब्बत में' गीत वाली संजय दत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की फिल्म-3
21. 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-3
22. 'जैसे इक चांद का टुकड़ा' गीत वाली सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की फिल्म-4
23. राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-2
25. 'ऐ दिल पागल मेरे' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, उर्वशी शर्मा की फिल्म-3
27. संजय दत्त, शरद कपूर, रवीना टंडन, मनीषा कोइराला की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2033

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें। सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के, कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध
अपनाएं ये आसान टिप्स

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपड़े से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपड़े को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग-अलग रखने की कोशिश करें।

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत: सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत: बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स ने महाजेन्को को 1.89 करोड़ टन कोयला आपूर्ति की: सरकार

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने महाजेन्को को इस वित्त वर्ष में अब तक 1.896 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए हुए ईंधन आपूर्ति समझौते के तहत डब्ल्यूसीएल की तरफ से महाजेन्को को कुल 2.314 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति किए जाने पर सहमति बनी थी। इस खरीद समझौते के तहत 29 जनवरी तक 1.868 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की जानी थी लेकिन इस तारीख तक आपूर्ति की मात्रा अनुबंधित करार से अधिक रही है। फ्लेक्सी प्लान के तहत महाजेन्को के पास यह अधिकार है कि वह प्राप्त कोयले को अपने किसी भी बिजली संयंत्र को भेज सकता है। फिलहाल डब्ल्यूसीएल इस समझौते के अनुरूप महाजेन्को के चंद्रपुर सुपर थर्मल पावर स्टेशन को कोयले की आपूर्ति कर रही है।

एमईआईएल की सहायक कंपनी ड्रिलमेक एसपीए हैदराबाद में वैश्विक विनिर्माण केंद्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली । मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) समूह की सहायक कंपनी ड्रिलमेक एसपीए हैदराबाद तेलंगाना में अपना वैश्विक विनिर्माण केंद्र स्थापित करेगी। इस संबंध में करार पर ड्रिलमेक एसपीए के सीईओ सिमोन ट्रेविसानी और राज्य के उद्योग एवं औद्योगिक संवर्धन आयुक्त एवं प्रमुख सचिव जयेश रंजन ने हस्ताक्षर किए। ड्रिलमेक स्पा, तेल-ड्रिलिंग रिग निर्माण में एक वैश्विक कंपनी है। ड्रिलमेक ने तेलंगाना में तेल निकालने और सहायक उपकरणों के निर्माण के लिए ड्रिलमेक इंटरनेशनल हब की स्थापना के लिए तेलंगाना सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। वैश्विक हब की स्थापना के लिए आगामी सुविधा में 20 करोड़ डालर से अधिक का निवेश करने का प्रस्ताव है, जिसमें विनिर्माण, अनुसंधान और विकास और उत्कृष्टता केंद्र शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम भारत में हाइड्रोजन ईंधन परियोजना में भविष्य के निवेश में रुचि रखते हैं। हैदराबाद विनिर्माण केंद्र रिग निर्माण और सहायक कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह सुविधा अनुसंधान एवं विकास और उत्कृष्टता के प्रशिक्षण केंद्र की भी स्थापना करती है। इटली, अमेरिका और बेलारूस में पहले से ही तीन विनिर्माण सुविधाएं हैं। विभिन्न देशों के कई प्रस्तावों पर विचार करने के बाद तेलंगाना का चुनाव किया गया है क्योंकि इसकी एक प्रगतिशील औद्योगिक नीति और निवेशक-अनुकूल है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियों की रफ्तार सुस्त

बीजिंग । दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि की रफ्तार जनवरी में कुछ सुस्त पड़ी है। सरकार ने कोविड-19 के प्रसार पर अंकुश के लिए कुछ सख्त उपाय किए हैं जिनका असर आर्थिक गतिविधियों पर देखने को मिला है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकीय ब्यूरो के अनुसार खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी में घटकर 50.1 पर आ गया जबकि दिसंबर में यह 50.3 पर था। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि सुस्त रही है। वहीं चीन की एक बिजनेस पत्रिका ने कहा है कि जनवरी 2022 में पीएमआई घटकर 49.1 पर आ गया है जो दिसंबर, 2021 में 50.9 पर था। पीएमआई के 50 से ऊपर होने का आशय वृद्धि तथा 50 से नीचे होने का मतलब संकुचन से लगाया जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन में नए ऑर्डर का उप-सूचकांक घटकर 49.3 पर आ गया है। नए निर्यात ऑर्डर भी नीचे आ रहे हैं। हालांकि, जनवरी में निर्यात ऑर्डर में गिरावट की रफ्तार कुछ कम हुई है। पूरे महामारी काल में चीन का निर्यात अच्छा रहा है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी में चीन का गैर-विनिर्माण पीएमआई भी घटकर 51.1 पर आ गया, जो दिसंबर में 52.7 पर था।

कृषि संबद्ध क्षेत्रों को प्राथमिकता देने, वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देने की जरूरत: समीक्षा

नयी दिल्ली,

आर्थिक समीक्षा 2021-22 में सोमवार को कहा गया कि कृषि क्षेत्र ने कोविड-19 के झटके को सहने के प्रति अपनी जिजीविषा को प्रदर्शित किया है और इसके चालू वित्तवर्ष में 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। समीक्षा में सरकार को फसल विविधीकरण, संबद्ध कृषि क्षेत्रों और नैनो यूरिया जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को प्राथमिकता देने का सुझाव भी दिया गया है। आर्थिक समीक्षा 2021-22 ने ड्रोन जैसी नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग बढ़ाने के अलावा कृषि अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) तथा जैविक खेती को बढ़ाने पर भी जोर दिया है। समीक्षा में कहा गया है, ''कृषि और संबद्ध क्षेत्र ने कोविड-19 के झटके के प्रति जिजीविषा को प्रदर्शित किया है ...पशुधन, डेयरी और मत्स्य पालन सहित संबद्ध क्षेत्रों में वृद्धि, इस क्षेत्र में समग्र विकास के प्रमुख चालक रहे हैं।'' पिछले दो वर्षों में कृषि क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई है। समीक्षा में कहा गया कि वर्ष 2021-22 के दौरान इसके 3.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष में 3.6 प्रतिशत था। समीक्षा में कहा गया कि संबद्ध कृषि क्षेत्र लगातार उच्च वृद्धि वाले क्षेत्रों के रूप में उभर रहे हैं। समीक्षा में कहा गया है, ''किसानों की आय तथा इस क्षेत्र (कृषि) की वृद्धि में पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन सहित संबद्ध क्षेत्रों के बढ़ते महत्व से संकेत मिलता है कि सहायक क्षेत्रों के दोहन की ओर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।'' नवीनतम स्थिति आकलन समीक्षा (एसएएस) ने यह भी पाया है कि संबद्ध क्षेत्र, कृषि परिवारों के विभिन्न समूहों के लिए आय के स्थिर स्रोत रहे हैं, जो उनकी औसत मासिक आय का लगभग 15 प्रतिशत है। खेतों के घटते आकार के साथ, समीक्षा में कहा गया है कि छोटी जोत वाले किसानों को कृषि प्रौद्योगिकियों के विकास और उसे उपयोग में लाकर माध्यम से छोटे एवं सीमांत किसानों की उत्पादकता में सुधार करने की भी आवश्यकता है। सरकार से फसल विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि मौजूदा फसल प्रणाली गन्ना, धान और गेहूं की खेती की ओर झुकी हुई है।

इस साल 20 फीसदी गिर चुकी है बिटकॉइन की कीमत

नई दिल्ली । दुनिया की प्रमुख 10 क्रिप्टोकरेंसीज में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई है। इनमें 10 फीसदी तक गिरावट आई है। बिटकॉइन की कीमत 37,000 डॉलर से नीचे आ गई है। दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में इस साल 20 फीसदी गिरावट आई है। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के मुताबिक बिटकॉइन सोमवार सुबह करीब तीन फीसदी गिरावट के साथ 37000 डॉलर के आसपास कारोबार कर रही थी। बिटकॉइन की कीमत पिछले साल नवंबर में 69,000 डॉलर के करीब पहुंच गई थी लेकिन इस साल उसमें भारी गिरावट आई है। यह अपनी सार्वको लिक उच्च स्तर से करीब 50 फीसदी गिर चुकी है। क्रिप्टोकरेंसीज में सोमवार को आई गिरावट से ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप तीन फीसदी से अधिक गिरावट के साथ 1.75 लाख करोड़ डॉलर रह गई है। दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी क्रिप्टो ईथर की कीमत भी करीब तीन फीसदी की गिरावट के साथ 2,512 डॉलर पर आ गई। इसी तरह बाइनेंस कॉइन भी चार फीसदी की गिरावट के साथ 369 डॉलर पर आ गई।

ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्रों को मिले पीएलआई स्कीम का लाभ: सीआईआई

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी मंगलवार को देश का आम बजट पेश करेंगी। बजट के ठीक पहले इंडस्ट्री बॉडी कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ने कहा कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम में सृजित रोजगार के आधार पर इंसेंटिव की अतिरिक्त दरें भी जोड़ी जानी चाहिए। सीआईआई ने सुझाव दिया है कि अधिक संख्या में रोजगार देने वाले लेदर और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों को निवेश आकर्षित करने और नए रोजगार पैदा करने के लिए इंसेंटिव स्कीम के दायरे में लाया जाना चाहिए। सीआईआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि महामारी की मार से उबर रहे देश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए हमारा यह सुझाव है कि बजट में इंसेंटिव स्कीम के भीतर रोजगार-सृजन का पहलू भी जोड़ा जाए। अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को पीएलआई स्कीम के दायरे में लाया जाना चाहिए। इससे इन क्षेत्रों में निवेश को काफी बढ़ावा मिलेगा। अधिक संख्या में रोजगार देने वाले क्षेत्रों को अधिक रियायतें दी जानी चाहिए। सीआईआई ने आगामी बजट में पीएलआई के अलावा कई अन्य ऐसे कदमों की भी अनुशंसा की है जिनसे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले। कोविड-19 महामारी की मार सभी आय वर्गों पर पड़ने से बजट में रोजगार-सृजन वाले क्षेत्रों पर ध्यान देना जरूरी है।

आर्थिक समीक्षा के बाद सेंसेक्स में 813 अंक का उछाल, निफ्टी 17,300 अंक के पार

मुंबई।

विभिन्न क्षेत्रों में चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 813 अंक की बढ़त के साथ एक बार फिर 58,000 अंक के पार निकल गया। वहीं निफ्टी 17,300 अंक के स्तर को पार कर गया। वित्त वर्ष 2021-22 की आर्थिक समीक्षा में अर्थव्यवस्था की बेहतर वृद्धि दर के अनुमान से बाजार में तेजी आई। यूरोपीय बाजारों में अच्छी शुरुआत तथा एशियाई बाजारों के मजबूत रुख से भी घरेलू बाजारों में तेजी को बल मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अच्छी बढ़त के साथ खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें तेजी रही। अंत में यह 813.94 अंक यानी 1.42 प्रतिशत मजबूत होकर 58,014.17 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 237.90 अंक यानी 1.39 प्रतिशत मजबूत होकर 17,339.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, विप्रो, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, एसबीआई और पावरग्रिड प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक और एचयूएल नुकसान में रहे। संसद में सोमवार को पेश आर्थिक समीक्षा में टीकाकरण दायरा बढ़ने और आपूर्ति पक्ष में सुधार के साथ नियमन को सुगम बनाने से एक अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष 2022-23 में वृद्धि दर 8 से 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। साथ ही कहा गया है कि अर्थव्यवस्था भविष्य की चुनौतियों से निपटने में अच्छी तरह से तैयार है। इसमें 2021-22 में आर्थिक वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। पिछले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की लाभ में रहे। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजारों में अवकाश था। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.86 प्रतिशत बढ़कर 90.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 5,045.34 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे।

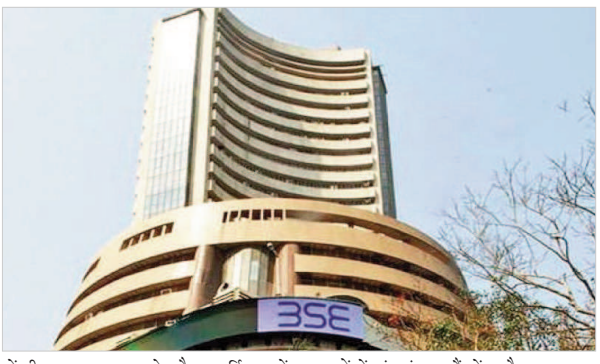

5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था को बुनियादी ढांचे पर 1,400 अरब डॉलर खर्च करने की जरूरत

बिजनेस डेस्क:

देश को 2024-25 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए इस दौरान बुनियादी ढांचे पर 1,400 अरब डॉलर खर्च करने की जरूरत होगी। संसद में सोमवार को पेश 2021-22 की आर्थिक समीक्षा में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्षों 2008-17 के दौरान भारत ने बुनियादी ढांचे पर 1,100 अरब डॉलर खर्च किये हैं। हालांकि, बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने को लेकर चुनौतियां भी हैं। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है, ''इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर देशभर में वैश्विक स्तर की ढांचागत सुविधाओं तथा नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार को लेकर राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (एनआईपी) की शुरुआत की गयी। इसमें वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक करीब 111 लाख करोड़ रुपए का निवेश अनुमानित है।'' इसमें परियोजना तैयारी में सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में घरेलू तथा विदेशी निवेश आकर्षित करने पर भी जोर दिया गया है। एनआईपी की शुरुआत 6,835 परियोजनाओं के साथ की गई। इनकी संख्या बढ़ाकर 9,000 से भी अधिक कर दी गई है। इसके अंतर्गत 34 बुनियादी ढांचा उप-क्षेत्र आते हैं। वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 के दौरान ऊर्जा (24 प्रतिशत), सड़क (19 प्रतिशत), शहरी (16 प्रतिशत) तथा रेलवे (13 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में अनुमानित पूंजीगत व्यय का 70 प्रतिशत खर्च होने की संभावना है। समीक्षा में कहा गया है, ''बुनियादी ढांचा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। बुनियादी ढांचे की सीमा और गुणवत्ता देश की तुलनात्मक लाभ का उपयोग करने की क्षमता को निर्धारित करती है और लागत प्रतिस्पर्धा को सक्षम बनाती है। मजबूत आपूर्ति व्यवस्था और बुनियादी ढांचे से उत्पन्न सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, यह सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण जरिया हो सकता है।'' इसमें कहा गया है कि बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) इस क्षेत्र में निवेश का एक महत्व वपूर्ण स्रोत रही है। अवसंरचना में निजी भागीदारी पर विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, पीपीपी परियोजनाओं की कुल संख्या के साथ-साथ संबंधित निवेश की दृष्टि से विकसित देशों में भारत को दूसरा स्थान प्रदान किया गया है। पीपीपी परियोजनाओं का आकलन करने वाली सार्वजनिक-निजी भागीदारी आकलन समिति (पीपीपीएसी) ने वर्ष 2014-15 से लेकर वर्ष 2020-21 तक 1,37,218 करोड़ रुपये की कुल परियोजना लागत वाली 66 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने वित्तीय दृष्टि से अव्यावहारिक लेकिन सामाजिक/आर्थिक दृष्टि से अपेक्षित पीपीपी परियोजनाओं को व्यावहारिक बनाने को लेकर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए वित्तपोषण व्यवस्था (वीजीएफ) शुरू की।

सन फार्मा का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 11% बढ़कर 2,059 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली:

दवा कंपनी सन फार्मा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की तिमाही में 11.14 प्रतिशत बढ़कर 2,058.8 करोड़ रुपए हो गया। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बिक्री में वृद्धि से कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 1,852.4 करोड़ रुपए रहा था। फार्मा कंपनी ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर, 2021 की तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 9,863 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 8,836.7 करोड़ रुपए थी। सन फार्मा के प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी ने कहा, ''हमने सभी व्यवसायों में अच्छी वृद्धि हासिल की है। बढ़ती लागत के बावजूद, हमने उच्च लाभ हासिल किया है।''

आम बजट में हरित हाइड्रोजन क्षेत्र को बढ़ावा दे सकती है सरकार

नई दिल्ली ।

सरकार आगामी आम बजट में देश में हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहनों के अलावा कोष का आवंटन कर सकती है। आम बजट मंगलवार को पेश किया जाना है। सरकार ने 2021 में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू किया है। इस महीने की शुरुआत में बिजली और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने संकेत दिया था कि फरवरी में हरित हाइड्रोजन नीति लाई जाएगी, जिसमें देश में हरित हाइड्रोजन को प्रोत्साहन देने के लिए कई उपाय शामिल होंगे। जे सागर एसोसिएट्स (जेएसए) के एक भागीदार ने कहा कि 2021 में राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन शुरू किया गया है। संभावना है कि बजट में हरित हाइड्रोजन खंड में अनुसंधान एवं विकास के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकता है। इसके अलावा हाइड्रोजन के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण और हरित हाइड्रोजन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोलाइजर पर सीमा शुल्क को घटाया जा सकता है। उनका कहना है कि सीओपी-26 में 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य का लक्ष्य प्राप्त करने और 2030 तक कुल बिजली जरूरत का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने की प्रतिबद्धता दर्शाती है कि सरकार ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों पर ध्यान केंद्रित करने का इरादा रखती है।

सरकार ने एलआईसी के चेयरमैन कुमार का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली ।

सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के चेयरमैन एमआर कुमार का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में सरकार चाहती है कि आईपीओ प्रक्रिया सुगमता से पूरी हो जाए। विस्तार के बाद कुमार मार्च, 2023 तक एलआईसी के चेयरमैन पद पर रहेंगे। इसके साथ ही एलआईसी के प्रबंध निदेशक राज कुमार का कार्यकाल भी एक साल के लिए बढ़ाया गया है। एलआईसी के चेयरमैन को दूसरी बार सेवा विस्तार दिया गया है। एलआईसी के प्रस्तावित आईपीओ के मद्देनजर उन्हें पिछले साल जून में पहली बार उन्हें नौ माह का विस्तार दिया गया था। सरकार बजट घोषणा के अनुरूप एलआईसी को चालू वित्त वर्ष में ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराना चाहती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल अपने बजट भाषण में कहा था कि बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी का आईपीओ 2021-22 में आएगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 1.75 लाख करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। विनिवेश लक्ष्य को पाने की दृष्टि से एलआईसी का आईपीओ काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। सरकार के पास एलआईसी की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक बार सूचीबद्ध होने के बाद एलआईसी बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी कंपनी हो जाएगी। इसका बाजार मूल्यांकन आठ से 10 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। इस बीच सरकार ने सूचीबद्धता के लिए एलआईसी की अधिकृत पूंजी को उल्लेखनीय रूप से 100 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपए कर दिया है।

सेमीकंडक्टर चिप की किल्लत होने से कंपनियों को उत्पादन घटाना पड़ा: आर्थिक समीक्षा

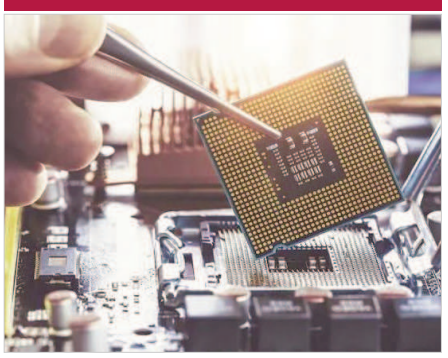

बिजनेस डेस्क:

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर चिप की कमी के कारण कई क्षेत्रों की कंपनियों का उत्पादन या तो पूरी तरह ठप हो गया या फिर घट गया। आर्थिक समीक्षा 2021-22 में यह बात कही गई है। संसद में सोमवार को पेश आर्थिक समीक्षा के अनुसार सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण क्षेत्र के लिए 76,000 करोड़ रुपए चिह्नित करने के सरकार के निर्णय से देश में इनका उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। समीक्षा में कहा गया कि इस क्षेत्र के लिए सरकार ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था आपूर्ति श्रृंखलाओं की गंभीर बाधाओं के कारण सेमीकंडक्टर की भारी कमी का सामना कर रही है। समीक्षा में कहा गया, ÷आपूर्ति में खड़ी बाधाओं में गंभीर दिक्कतों के कारण विभिन्न क्षेत्र की कंपनियों का उत्पादन या तो घट गया है या पूरी तरह से बंद हो गया है।÷ समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना समेत अन्य योजनाएं न केवल उद्योग को कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से निपटने में मदद करेंगी बल्कि वैश्विक आपूर्ति बाधाओं से भी उबरने में सहायता देंगी।

आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला उद्योग है और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई पर पहुंच गया

मुंबई ।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई पर पहुंच गया। बाजार का आकार 2021 में 38 अरब को पार कर गया। अध्ययन के मुताबिक भारतीय स्मार्टफोन बाजार का आकार पिछले साल के मुकाबले वर्ष 2021 में 27 फीसदी वृद्धि के साथ 38 अरब डॉलर के पार चला गया। स्मार्टफोन का निर्यात बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 2021 में 11 फीसदी बढ़कर 16.9 करोड़ इकाई हुआ। हालांकि, आपूर्ति संबंधी मुद्दों के कारण दिसंबर तिमाही में पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले निर्यात में 8 फीसदी की कमी दर्ज की गई थी। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में 2021 में उपभोक्ता मांग अधिक रही, जिससे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाला वर्ष रहा। यह उपलब्धि उस समय हासिल हुई है जब आपूर्ति में अनेक अवरोध आए मसलन कोरोना की दूसरी भयावह लहर, पुर्जों की वैश्विक स्तर पर कमी और इनके कारण मूल्य वृद्धि। निर्यात में सर्वाधिक 24 फीसदी हिस्सेदारी चीनी मोबाइल कंपनी शियोमी की रही। महंगे मोबाइल (30,000 रुपये से अधिक) की श्रेणी में इस ब्रांड की हिस्सेदारी पिछले साल के मुकाबले सर्वाधिक 258 फीसदी रही।

कुल निर्यात में सैमसंग की हिस्सेदारी 18 फीसदी रही और 20,000 से 45,000 रुपये वाली श्रेणी में इसकी सर्वाधिक 28 फीसदी हिस्सेदारी रही। वीवो की 15 फीसदी, रियलमी की 14 फीसदी और ओप्पो की 10 फीसदी हिस्सेदारी रही। 2021 के पांच शीर्ष ब्रांड में रियलमी सबसे तेजी से वृद्धि करने वाला ब्रांड रहा यह दिसंबर 2021 में पहली बार दूसरे स्थान पर आया। वनप्लस का 2021 में भारत में सर्वाधिक निर्यात रहा। इस साल एप्पल सबसे तेजी से वृद्धि करने वाले ब्रांड में से एक रहा और पिछले वर्ष के मुकाबले उसने 108 फीसदी वृद्धि दर्ज की। 5जी तकनीक वाले मोबाइल फोन का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 555 फीसदी बढ़ गया और इस श्रेणी के निर्यात में सर्वाधिक 19 फीसदी हिस्सेदारी वीवो की रही। भारत का कुल मोबाइल हैंडसेट बाजार 2021 में सात फीसदी बढ़ा और इसमें 17 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सैमसंग पहले स्थान पर रहा। भारत के स्मार्टफोन बाजार का खुदरा औसत बिक्री मूल्य 2021 में 14 फीसदी बढ़कर अब तक का सर्वाधिक 227 डॉलर हो गया।

बायो-बबल से बचने आईपीएल से नाम वापस लिया : स्टार्क

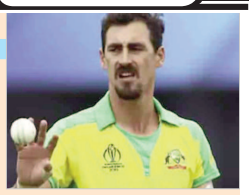

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क कहा है कि बायो-बबल (जैव सुरक्षा घेरे) से बचने के लिए ही वह इस साल आईपीएल की मेगा नीलामी में शामिल नहीं हो रहे। स्टार्क ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया की ओर से अगले अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए वह अपने शरीर को तरोताजा और फिट रखना चाहते हैं। इसी कारण वह बायो-बबल से दूर रहेंगे। वह बायो-बबल में 22 सप्ताह और नहीं रहना चाहते हैं। इसलिए पहले ही उन्होंने नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया है। स्टार्क ने कहा कि मैंने आईपीएल नीलामी में इसलिए हिस्सा नहीं लिया क्योंकि मैं बायोबल में 22 सप्ताह और नहीं रहना चाहता था। मुझे शरीर को ताज़ा करने के लिए कुछ समय चाहिए। इसलिए मैं ऑस्ट्रेलियाई टीम के मैचों को अधिक प्राथमिकता दे रहा हूं। स्टार्क ने साथ ही कहा कि अगले साल में आईपीएल में वापसी करुंगा पर पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए जितना हो सके उतना खेलना चाहता हूं। कई प्रारुपों में खेलने के कारण ही मैंने यह निर्णय लिया है। मुझे उन आठ हफ्तों में पत्नी एलिसा और परिवार के साथ बाहर समय बिताने का अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत मेरे करियर की सबसे बड़ी वापसी : नडाल

मेलबोर्न।

दुनिया के नंबर पांच टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने रविवार को यहां दूसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव को हरा कर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल का खिताब जीतने के बाद कहा कि यह मैच उनके करियर की सबसे बड़ी वापसी थी। नडाल ने कहा, 'अगर आप हर संभव प्रयास करें और अपना सब कुछ दांव पर लगा दें तो आपकी जीत की संभावना ज्यादा होती है। मैं कह सकता हूं कि यह मेरे टेनिस करियर की सबसे बड़ी वापसी है। बेशक अंत में जीत ही इतिहास के पन्नों में दर्ज होती है, लेकिन जिस तरह से आप मैच जीतते हैं, खासतौर पर व्यक्तिगत भावनाओं के लिहाज से, वह अलग है। जिस तरह से मैंने आज रात इस ट्रॉफी को हासिल किया वह अविस्मरणीय था। निसंदेह यह मेरे टेनिस करियर के सबसे भावनात्मक मैचों में से एक था। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है।% उल्लेखनीय है कि नडाल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पुरुष एकल के फाइनल में जबरदस्त वापसी करते हुए खिताब जीता था। वह पहले दो सेटों में रूसी प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव से 2-6, 6-7(5) से पिछड़ गए थे, लेकिन बाद में उन्होंने लगातार तीन सेट 6-4, 6-4, 7-5 से जीत कर 21वां ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले दुनिया के इकलौते टेनिस खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 2005 में 19 वर्ष की उम्र में फ्रेंच ओपन खिताब जीत कर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

नडाल ने 21वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने पर कहा, 'मेरे करियर के इस क्षण में एक और ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल करना शानदार है। बेशक मुझे पता है कि 21 एक विशेष संख्या है। मुझे पता है कि इसके क्या मायने हैं, लेकिन मेरी लिए आज का दिन अविस्मरणीय है। मैं अपने टेनिस करियर में एक और खास चीज हासिल करके भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं।% स्पैनिश खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी मेदवेदेव की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि डेनियल एक महान चैंपियन हैं। उन्होंने हार को परिपक्व तरीके से स्वीकार किया और मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं, क्योंकि यह उनके लिए बहुत कठिन दिन है। मुझे पता है कि उस स्थिति में होना कितना कठिन है।'

इंग्लैंड के क्रिकेटर टिम ब्रेसनन ने की संन्यास की घोषणा, विश्व विजेता टीम का रह चुके हैं हिस्सा

वारविकशायर ।

इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर टिम ब्रेसनन ने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है, उनके काउंटी क्लब वारविकशायर क्रिकेट ने सोमवार को पुष्टि की। इस 36 वर्षीय ने पिछले साल अप्रैल में अपनी वारविकशायर कैप प्राप्त की थी और बल्ले तथा गेंद के महत्वपूर्ण योगदान के माध्यम से टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया। वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब (डब्ल्यूसीसीसी) के अनुसार ब्रेसनन ने एक बयान में कहा कि यह अविश्वसनीय रूप से कठिन निर्णय रहा है लेकिन शीतकालीन प्रशिक्षण में लौटने के बाद मुझे लगता है कि यह सही समय है। मैंने अपने 21वें पेशेवर वर्ष की तैयारी के लिए पूरे ऑफ-सीजन में कड़ी मेहनत करना जारी रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कर सकता हूं। मैं अपने और अपने साथियों के लिए उच्च मानकों तक नहीं पहुंचता। उन्होंने कहा कि मैं जिस खेल से प्यार करता हूं, उसके लिए मेरे पास जो भूख और उत्साह है, वह मुझे कभी नहीं छोड़ेगा, मैं 2022 सीजन से निपटने के लिए तैयार हूं लेकिन मेरा शरीर नहीं। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अपने करियर और वारविकशायर को बड़े गर्व के साथ देखूंगा और देश का प्रतिनिधित्व करना एक पूर्ण सम्मान की बात है। बड़े होकर मैंने कभी विश्वास नहीं किया होगा कि मैं कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ और कुछ बेहतरीन क्रिकेटरों के खिलाफ खेलने के लिए कितना भाग्यशाली था। वारविकशायर क्रिकेट के अनुसार अपने प्रथम श्रेणी करियर में ब्रेसनन ने 7,138 रन बनाए जिसमें 7 शतक और 9 बार पांच विकेट लेने के साथ कुल 575 विकेट शामिल हैं। ब्रेसनन ने कहा, मैं अपने अगले अध्याय के लिए उत्साहित हूं और इसमें सब कुछ फेंकने के लिए दृढ़ हूं, जैसे मैंने क्रिकेट के मैदान पर इतने सालों तक किया। ब्रेसनन इंग्लैंड की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पहली बार 2010 विश्व टी20 ट्रॉफी हासिल की थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में उतरते ही रिकार्ड बनाएगी भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय टीम 6 फरवरी से वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू एकदिवसीय और टी20 सीरीज खेलने जा रही है। रोहित शर्मा की कप्तानी में तीन-तीन मैचों की इस सीरीज में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले ही एकदिवसीय मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करेगी। इस मैच में उतरते ही भारतीय टीम अपना 1000वां एकदिवसीय मैच खेलेगी।इस प्रकार भारतीय टीम 1000 वां एकदिवसीय मैच खेलने वाली दुनिया की पहली टीम बन जाएगी। भारतीय टीम ने अपना पहला एकदिवसीय मैच साल 1974 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। इसमें भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। तब एकदिवसीय मैच 60 ओवर्स का खेला जाता था। अब तक सबसे ज्यादा एकदिवसीय मैच खेलने वाली तीन टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया ओर पाकिस्तान हैं। भारत ने अपने 999 मैचों में से 518, जीते हैं जबकि 431 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम हैं उसने 958 मैच खेले हैं। जिसमें 581 जीते हैं जबकि उसे 334 में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं तीसरे टीम पाकिस्तान ने 936 मैच खेलकर 490 जीते हैं और उसे 417 में हार मिली है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से श्रीलंका को लगा झटका, ये क्रिकेटर पाया गया कोरोना पॉजिटिव

कोलंबो ।

श्रीलंका के अनकैप्ड गेंदबाज नुवान तुषारा कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। तुषारा के अलावा दौरे के लिए श्रीलंका की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं जिसमें पांच टी20 इंटरनेशनल शामिल हैं। टीम के ट्रेनर दिलशान फोन्सेका भी कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। तीन फरवरी को टीम के ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले ये मामले सामने आए हैं। दोनों दस्ते और सहयोगी स्टाफ के बीच किए गए एक नियमित पीसीआर परीक्षण के दौरान पॉजिटिव मामले पाए गए जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के लिए टीम के प्रस्थान से पहले बायो-सिक्योर बबल में हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, दोनों वर्तमान में कोविड-19 प्रोटोकॉल से गुजर रहे हैं और 10 फरवरी को टीम में फिर से शामिल हो जाएंगे। तुषारा की तेज गेंदबाजी एक्शन की तुलना पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा के साथ हुई है जो लंका प्रीमियर लीग में शीर्ष तीन विकेट लेने वालों में से एक थे। उन्होंने गैल ग्लैडिएटर्स के लिए 8.11 की इकॉनमी दर के साथ 8 मैचों में 12 विकेट लिए। एक रिपोर्ट के अनुसार तुषारा छह दिन पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। उनका दूसरा आरटी-पीसीआर परीक्षण मंगलवार के लिए निर्धारित है, प्रारंभिक परीक्षण से 7वें दिन, लेकिन टीम 3 फरवरी को उड़ान भरने के लिए तैयार है, एसएलसी और उसकी मेडिकल टीम को यह तय करना होगा कि तुषारा बाकी खिलाड़ियों के साथ यात्रा कर सकते है या नहीं। रिपोर्ट में एसएलसी के चिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अर्जुन डी सिल्वा ने भी कहा था कि अगर मंगलवार को एक नकारात्मक परीक्षण आता है तो तुषारा को बाकी टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए मंजूरी मिलने से पहले एक और परीक्षणों से गुजरना होगा। उन्होंने कहा कि हमने अभी भी उस पर फैसला नहीं किया है। आम तौर पर सामान्य प्रोटोकॉल के तहत, हम कार्डियक और फेफड़ों का आकलन करते हैं। अगर हम उसे टीम के साथ भेजते हैं, तो उसका दूसरा टेस्ट नेगेटिव आने पर हमें उसके खेलने से पहले ऑस्ट्रेलिया में उसका आकलन करना होगा। श्रीलंका को 11 से 20 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया में पांच टी20 मैच खेलनी हैं जिसमें पहले दो मैच सिडनी में होंगे। इसके बाद तीसरा मैच कैनबरा में होगा और उसके बाद मेलबर्न में दो मैचों की मेजबानी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

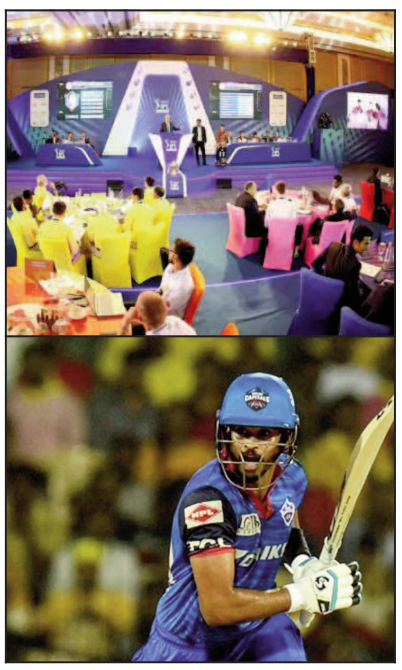

आईपीएल में अय्यर, कमिंस सहित इन खिलाड़ियों पर लग सकती है करोड़ों की बोली

मुम्बई । आईपीएल के 15 वें सत्र के होने वाली मेगा नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगी। इसमें इस बार आठ की जगह दस टीमें भाग लेंगी। इस नीलामी की नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद हैं। नीलामी में श्रेयस अय्यर , पैट कमिंस सहित पांच खिलाड़ियों पर करोड़ों की रकम लगायी जा सकती है।

श्रेयस अय्यर = श्रेयस अय्यर टी20 लीग के पिछले सीजन में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरे थे पर इस बार उन्होंने दिल्ली छोड़ दी है और ऐसे में आरसीबी और केकेआर जैसी टीमें उन्हें बड़ी रकम देकर खरीद सकती हैं। श्रेयस का आधर मूल्य 2 करोड़ रुपए रखा गया है।

पैट कमिंस : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस पिछले सीजन में केकेआर की ओर से उतरे थे। उन्होंने एशेज में भी अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में वे टी20 में गेंद और बल्ले दोनों से कमाल का प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में सभी टीमों उन्हें खरीदना चाहेंगी।

डेविड वॉर्नर : अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर पिछले बार सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान थे पर सत्र के बीच में ही टीम ने उन्हें हटा दिया था। वह आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज हैं, ऐसे में कई टीमें उन्हें बड़ी रकम देकर खरीद सकती हैं।.

कागिसो रबाडा : दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने पिछली बार दिल्ली कैपिटल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। वह अभी विश्व के सबसे बेहतर गेंदबाजों में शामिल हैं। ऐसे में उनपर टीमें बड़ी बोली लगा सकती हैं।

ट्रेंट बोल्ट : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने आईपीएल में अब तक मुम्बई इंडियंस और कोलकाता नाइटरायडर्स (केकेआर) की ओर से खेला है। इस बार उन्हें अन्य टीमें बड़ी रकम देकर अपने से जोड़ना चाहेंगी।

कप्तानी छोड़ने के बाद बल्लेबाज के रूप में योगदान देना चाहते हैं कोहली

नयी दिल्ली,

महेंद्र सिंह धोनी का उदाहरण देते हुए विराट कोहली ने कहा कि नेतृत्वकर्ता होने के लिए किसी को टीम का कप्तान होना जरूरी नहीं है और अब भारतीय टीम का कप्तान नहीं होने के कारण वह टीम के मुख्य बल्लेबाज के रूप में और अधिक योगदान दे सकते हैं। कोहली ने इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया जब दक्षिण अफ्रीका में 1-2 से श्रृंखला गंवाने के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी छोड़ दी। वह भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। इससे पहले टी20 विश्व कप के बाद कोहली ने इस प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और बाद में उन्हें एकदिवसीय टीम के कप्तान के रूप में हटा दिया गया था। 'डिजिट' की 'फायरसाइड चैट विद वीके' में कोहली ने बात की कि कैसे टीम का नेतृत्वकर्ता नहीं होने के बावजूद टीम के लिए योगदान दिया जा सकता है। कोहली ने कहा, ''सभी चीजों का एक कार्यकाल और समय होता है। बेशक आपको इसकी जानकारी होनी चाहिए। लोग कह सकते हैं कि 'इस आदमी ने यह क्या कर दिया' लेकिन आपको पता है कि जब आप आगे बढ़ने तथा और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के बारे में सोचते हो, आपको महसूस होता है कि आपने अपना काम कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''अब बल्लेबाज के रूप में शायद आप टीम के लिए अधिक योगदान दे सकते हो। आप टीम को अधिक जीत दिला सकते हो। इसलिए इस पर गर्व कीजिए। नेतृत्वकर्ता होने के लिए आपको कप्तान होने की जरूरत नहीं है। यह सामान्य सी बात है।'' कोहली पहले धोनी की जगह टेस्ट में और फिर सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारतीय टीम के कप्तान बने। उन्होंने कहा, ''जब महेंद्र सिंह धोनी टीम में था तो ऐसा नहीं था कि वह नेतृत्वकर्ता नहीं था। वह फिर भी वह व्यक्ति था जिसके पास हम सलाह के लिए लगातार जाया करते थे। '' इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''लेकिन उसे समझना था कि हां यह नैसर्गिक प्रगति है और मेरे जिम्मेदारी संभालने का स्वाभाविक समय और भारतीय क्रिकेट को उस स्तर पर आगे ले जाना जहां मैं चाहता हूं जब तक मुझे लगता है कि मैंने यह काम अच्छी तरह किया है और मेरा कोई भौतिकवादी लक्ष्य नहीं है तो फिर इसका प्रभाव लंबा होता है।'' कोहली ने आगे बढ़ने के समय पर भी बात की। रोहित शर्मा को उनकी जगह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है लेकिन बोर्ड ने पांच दिवसीय प्रारूप में उनके उत्तराधिकारी की घोषणा अभी नहीं की है।

आकाश चोपड़ा का बड़ा बयान, कहा- भारत को सफेद गेंद में नई शैली की जरूरत

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय ओपनर और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारत को सफ़ेद गेंद की क्रिकेट में नई शैली की जरुरत है। आकाश ने कहा कि सफ़ेद गेंद की क्रिकेट खेलने का हर टीम का अपना निश्चित तरीका होता है। इंग्लैंड की टीम शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाती है और उसी पर टिकी रहती है। ऑस्ट्रेलिया अपने अंदाज़ में विस्फोटक है जो अंतिम ओवरों में तेज़ी से रन बनाने पर विश्वास रखता है। न्यूज़ीलैंड स्थिरता के साथ जाना पसंद करती है और इसलिए अपने खिलाड़ियों को सारी भूमिकाएं निभाने के लिए समर्थन देती है। उन्होंने कहा कि खेलने की ये रणनीतियां आपके पास मौजूद बल्लेबाजों, गेंदबाजों, पिच और परिस्थितियों पर निर्भर करती हैं। यदि आपके पास एक शक्तिशाली गेंदबाज़ी क्रम है, तो आप विशाल स्कोर खड़ा करने को नहीं देखते हैं। अगर आपके पास बल्लेबाजी के विकल्प हैं तो आप विशेषज्ञ गेंदबाजों की जगह बल्लेबाज़ी क्रम में गहराई के साथ जाना पसंद करते हैं। इंग्लैंड ने इसी को अपनी सफेद गेंद क्रिकेट का मूलमंत्र बना लिया है। इसके चलते उन्हें हर बार बल्ले से 15-20 रन अधिक बनाने पड़ते हैं। यह बल्लेबाजी कौशल के आधार पर गेंदबाज़ों का चुनाव करने की कीमत है, जो उन्हें चुकानी पड़ती है। आकाश ने कहा कि इसके विपरीत वेस्टइंडीज, ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करने वाले खिलाड़ियों की टीम है। वह जीत दिलाने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा पर भरोसा करती है। यदि वे असफल होते हैं, तो परिणामस्वरूप आपको हाल ही में समाप्त हुए टी20 विश्व कप जैसा निराशाजनक प्रदर्शन देखने को मिलता है। तो आखिरी सफेद गेंद की क्रिकेट में भारत का टेम्प्लेट (अंदाज़) क्या है? चूंकि वह काफी सफल और नामचीन टीम हैं, यह मान लेना उचित है कि उसके पास एक सुविचारित योजना है। आइए इस योजना को समझने का प्रयत्न करते हैं और साथ ही यह पता लगाने की कोशिश करते हैं कि 9 सालों से यह टीम आईसीसी ट्रॉफी क्यों नहीं जीत पाई है। आकाश ने कहा कि पिछले 6-7 सालों में भारत के पास रोहित शर्मा, शिखर धवन, विराट कोहली और लोकेश राहुल के रूप में विश्व का सर्वश्रेष्ठ शीर्ष क्रम रहा है। इनका हुनर ऐसा है कि इन चारों में से कोई भी तीन खिलाड़ी किसी भी समय विश्व की किसी भी टीम के शीर्ष क्रम में अपनी जगह बना सकते हैं।

फीडे महिला कैंडीडेट शतरंज में हम्पी को अवसर

नई दिल्ली । फीडे महिला कैंडीडेट शतरंज में भारत की एकमात्र खिलाड़ी कोनेरु हम्पी भी जगह बनाने में सफल रही हैं। इस प्रतियोगिता में रूस की तीन जबकि चीन और उक्रेन की दो-दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। विश्व शतरंज संघ ने हालांकि इस टूर्नामेंट के लिए अभी समय और स्थान की घोषणा नहीं की है पर पिछले दो साल से चल रही विभिन्न प्रतियोगितों के आधार पर टूर्नामेंट के जिए जिन आठ खिलाड़ियों के नाम तय हुए हैं। वे हैं भारत की कोरेरु हंपी, रुस की अलेक्सान्द्रा गोरयाचकिना, रुस की ही लागनों काटेरयना, चीन की ली टिंगजे, रुस की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक, चीन की तान ज़ोंगयी जबकि उक्रेन की अन्ना मुजयचूक और मारिया मुजयचूक भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की हम्पी के पास क्लासिकल विश्व चैम्पियन बनने का यह अच्छा अवसर है।

इंडियन सुपर लीग : डूबती नैया को बचाने के लिए संघर्ष करेंगे गोवा और ओड़िसा

बैम्बोलिन ।

एफसी गोवा जानती है कि उसके हाथ से समय निकला जा रहे हैं और हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 में उसकी डूबती नैया को आगामी मैच में जीत कुछ हद तक थामेगी। लेकिन मंगलवार को बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में उसका सामना ओड़िसा एफसी के रूप ऐसे प्रतिद्वंदवी होगा, जो अपने अभियान को जीत की पटरी पर वापस लाने के लिए दृढ़ संकल्प है। गोवा पिछले चार मैचों से जीत से दूर है और 14 मैचों में 14 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। कोच डेरिक परेरा की टीम अपने पिछले मैच में आकर्षक फुटबाल खेलने के बावजूद जमशेदपुर से हार गई थी। परेरा जानते हैं कि जीत की राह पर चलने के लिए उनके लड़कों मिलने वाले अवसरों को भुनाना होगा। अगर गोवा को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो उसे अभी से मैच जीतने शुरू करने पड़ेंगे लेकिन उसके प्रतिद्वंद्वी ओड़िसा की स्थिति भी समान है। ओड़िसा 13 मैचों में पांच जीत और दो ड्रा से 17 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर है। गोवा के लिए गोल नहीं करना एक बड़ी समस्या रही है, क्योंकि उसने सीजन में अन्य टीमों की तुलना में स्कोरिंग के अवसर बहुत बनाए और ज्यादा शॉट लगाने के प्रयास किए हैं। जमशेदपुर के खिलाफ पिछले मैच में गोवा के तीन शॉट गोलपोस्ट या क्रॉसबार में लगे, जो कि इस सीजन के मैच में सबसे ज्यादा है। कोच परेरा ने कहा, %हमारा इरादा हमेशा तीन अंक हासिल करना होता है और हम लड़ते रहेंगे। हम कभी हार नहीं मानेंगे।% उधर, ओड़िसा पिछला मैच हारने के बावजूद गोल कर रही है और देर से गोल करने की क्षमता से कोच किनो गार्सिया को खुश होना चाहिए। क्रिस्टियन जोनाथस भी पिछले मैच में गोल करने वालों में शामिल थे और वो इस सीजन में मैच के अंतिम 15 मिनट में ओड़िसा का नौवां गोल था। जोनाथस चार गोल कर चुके हैं और केवल अरिदाई कैबरेरा (5) ने ओड़िसा के लिए उनसे अधिक गोल किए हैं। गार्सिया ने कहा, 'पिछले मैचों में हम अच्छा खेल रहे हैं। हम जीते नहीं या फिर अंक प्राप्त नहीं कर पाए लेकिन हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा था। सकारात्मक बात यह है कि टीम ने उन चीजों को आजमाने में बहादुरी दिखाई है जिनकी ट्रेनिंग हमने की है। हम गेंद अपने नियंत्रण में रख करके ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

तो खिलाड़ियों का रवैया अच्छा है। यह एक कड़ा मुकाबला होगा। गोवा उस स्थान के लायक नहीं है, जहां वो है। वो काफी अच्छा खेल रही है।

बुडापेस्ट में पुरुषों के हैंडबॉल मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित स्वीडन की टीम।

स्पर्श लेप्रसी जागरूकता अभियान पखवाड़िया के तहत सूरत-तापी जिले में रक्तपीत जागरूकता अभियान

सूरत।

हर साल 30 जनवरी को दुनिया भर में 'रक्तपित दिवस' के रूप में मनाया जाता है. दुनिया भर में ल्यूकेमिया के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इसे रोकने के लिए संयुक्त प्रयास करने के उद्देश्य से 'स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान पखवाडिया' के तहत 30 जनवरी 2021 से 13 फरवरी-2022 तक सूरत और तापी जिलों में जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

जन स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला लेप्रसी अधिकारी डॉ. जिग्नेश पटेल ने बताया कि सूरत जिले में प्रति 10000 जनसंख्या पर 0.33 और तापी जिले में 1.15 प्रति 10000 जनसंख्या पर लेप्रसी रोग है। जबकि गुजरात में लेप्रसी रोग की घटना प्रति 10000 जनसंख्या पर 0.28 है।

दिसंबर 2021 के अंत तक, वडोदरा, दाहोद, पंचमहल, नर्मदा, छोटाउदपुर, महिसागर, सूरत, नवसारी, वलसाड और कुल 9 उच्च स्थानिक जिले रोग दर को 1 से कम लाने में सफल रहे हैं। बवासीर को एक लाइलाज बीमारी माना जाता था, लेकिन अब इसका निदान और इलाज करना आसान हो गया है। कुछ लोगों का मानना है कि छूने से यह बीमारी फैलती है। हालांकि यह पूरी तरह गलत है। रक्तस्राव स्पर्श से नहीं फैलता है। छूत की

बीमारी होने के बावजूद यह छूने, हाथ मिलाने, उठाने या एक साथ बैठने से नहीं फैलता है।

श्री पटेल ने कहा कि सूरत और तापी जिलों में पिछले पांच वर्षों में 32 और 9 पुनर्निर्माण सर्जरी की गई है और मरीजों की विकृति को दूर किया गया है. वर्ष 2016-17 से 2021-22 (दिसंबर 2021 के अंत) तक सूरत और तापी जिलों में कुष्ठ रोग से पीड़ित कुल 5146 और 2499 लेप्रसी रोगियों को माइक्रो सेल्युलर रबर शूज़ (एमसीआर) प्रदान किए गए हैं। जिससे पैरों में बहरेपन वाले लेप्रसी रोगियों को पैरों में असाध्य अल्सर से बचाया गया।

राज्य में पहली से नौवीं तक की कक्षाओं में 5 फरवरी तक जारी रहेगी ऑनलाइन पढ़ाई

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के स्कूलों में पहली से लेकर 9वीं तक की कक्षाओं में आगामी 5 फरवरी, 2022 तक ऑफलाइन पढ़ाई यानी क्लासरूम शिक्षा को बंद रखने का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कोर कमेटी की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति की सर्वग्राही समीक्षा करने के बाद विद्यार्थियों के व्यापक स्वास्थ्य रक्षा हित में यह निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता सह शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने कोर कमेटी के इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि आगामी 5 फरवरी तक राज्य में पहली से लेकर 9वीं तक की कक्षाओं में केवल ऑनलाइन पढ़ाई ही चालू रहेगी। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व गत 7 जनवरी को राज्य सरकार ने पहली से 9वीं तक की कक्षाओं में ऑफलाइन पढ़ाई को 31 जनवरी तक बंद रखने का निर्णय किया था। इस निर्णय की समयावधि आज पूरी होने पर कोरोना संक्रमण की स्थिति की व्यापक समीक्षा करने के बाद ऑफलाइन यानी क्लासरूम शिक्षा को और कुछ दिनों यानी कि 5 फरवरी तक बंद रखने का निर्णय किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार अब 5 फरवरी को स्थिति की पुन:समीक्षा कर स्कूलों में क्लासरूम शिक्षा को लेकर उचित निर्णय करेगी। कोर कमेटी की इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, मुख्य सचिव पंकज कूमार और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजकुमार सहित कई वरिष्ठ सचिव भी उपस्थित थे।

नियोजन केमिकल्स की उच्चतम तिमाही वृद्धि के साथ हर क्षेत्र में स्वस्थ कार्य

सूरत.

नियोजन केमिकल्स (नियोजन) ने 31 दिसंबर, 2021 को समाप्त तिमाही और नौ महीने के अंत में मजबूत प्रदर्शन प्रस्तुत किया है। वित्त वर्ष 2022 की तीसरी तिमाही में राजस्व 56 प्रतिशत बढ़कर 132.2करोड़ रुपये हो गया। जो पिछले साल की समान तिमाही में यह 8 5.2 करोड़ के स्तर पर था। मजबूत प्रदर्शन को चरण 1 और 2 के विस्तार के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसे हाल ही में योजना के दहेज साइट पर शुरू किया गया था। मांग और प्राप्ति हर महत्वपूर्ण अंतिम उपयोगकर्ता उद्योग द्वारा उच्च उत्पाद निकासी के कारण अनुकूल रही है।

Q3 और 9 महीनों के FY 22 प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, नियोजन केमिकल्स विज्ञान के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री हरिदास कानाणी ने कहा: "मुझे यह लिमिटेड सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान गुजरात के एसईजेड दहेज में हाल ही में शुरू किए गए पहले और दूसरे चरण के ग्रीनफील्ड विस्तार के ग्रीनफील्ड विस्तार से बढ़ते लाभों के माध्यम से हर क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन दिखाया है।हमारी राजस्व वृद्धि दर 56% रही है, जो अब तक की सबसे अधिक तिमाही राजस्व वृद्धि दर है 133 करोड़ रुपये है। मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमने चुनौतीपूर्ण वातावरण परिलक्षित होने के बावजूद मजबूत प्रदर्शन हासिल किया है, जिसमें उपयोगिता लागत में अचानक वृद्धि शामिल है, जिसमें ओमीक्रोन संस्करण की शुरूआत भी शामिल है।

मैं अन्य महत्वपूर्ण प्रगति को साझा करने के लिए भी खुश हूं। उन्नत मध्यवर्ती, क्षेत्र में हमारी विकास पहलों का समर्थन करने के लिए अधिमान्य आवंटन के आधार पर, हमने सफलतापूर्वक 225 करोड़ रुपये की नई इक्विटी जुटाई गई है। इसके पीछे का विचार भविष्य के लिए तैयार रहना है और हमारी बैलेंस शीट की व्यवहार्यता को बनाए रखते हुए इन उच्च संभावित अवसरों में से कुछ में पहला प्रस्तावक लाभ प्राप्त करना है। हम भविष्य के लिए सड़क को रोमांचक के रूप में पाते हैं और हम रसायनों और लिथियम-आयन बैटरी सामग्री में ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) क्षेत्र में बढ़ते अवसरों के संपर्क में हैं। हम टिकाऊ और लाभदायक संचालन प्रदान करने के लिए अपनी विशेषज्ञता और क्षमताओं का उपयोग करना जारी रखेंगे।

मारवाड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्रिजवेव ने निवेशकों को एआई-संचालित बाजार अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए साझेदारी की घोषणा की

सूरत।

मारवाड़ी वित्तीय सेवाओं, वित्तीय सेवाओं और धन प्रबंधन में एक विश्वसनीय नाम, आनंद ने साझा किया कि यूके स्थित वित्त प्रौद्योगिकी कंपनी ब्रिजवेव के प्रमुख मंच इन्वेस्टरएआई ने इन्वेस्टरएआई-इन का उपयोग करके अपने ग्राहकों को अनुमानित निवेश अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए साझेदारी की है। InvestorAi एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता एल्गोरिथ्म का उपयोग करता है, जिसे वैश्विक इक्विटी बाजारों के लिए प्रशिक्षित किया गया है,यह निवेशकों को पारंपरिक, बुनियादी, तकनीकी और अन्य संकेतकों का विश्लेषण करने के लिए दुनिया भर के 15 बाजारों में 4,500 शेयरों और 1,500 एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों के लिएसंस्थागत गुणवत्ता की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है ।

ब्रीजवीव के अध्यक्ष और संस्थापक अक्षय भार्गव ने कहा, च्हम मारवाड़ी फाईनेंशियल सर्विसेज के साथ अपनी साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जटिल गहन अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने के हमारे दर्शन को आगे बढ़ाती है और इसे निवेशकों के लिए आसानी से सुलभ बनाती है। InvestorAiअलग है क्योंकि हमारी मशीनें अनुमानित संकेतों और विश्लेषणात्मक निवेश अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए हर दिन 800 मिलियन से अधिक गणना करती हैं। हम देखते हैं कि धन प्रबंधन मानव और मशीन के संयोजन में विकसित हो रहा है - हम इसे "यू + एआई" कहते हैं - जहां दोनों एक साथ एक विजेता संयोजन बनाते हैं"।

मारवाड़ी शेयर्स एंड फाइनेंस लिमिटेड के मुख्य रणनीति और डिजिटल परिवर्तन अधिकारी गौरव भोजक ने घोषणा पर टिप्पणी की, "जब भी हम अपने प्लेटफार्मों पर किसी भी तकनीकी नवाचार को एकीकृत करने की योजना बनाते हैं, तो एक टीम के रूप में हमारा प्राथमिक सवाल यह है कि यह हमारे ग्राहकों को बेहतर और लाभकारी पोर्टफोलियो प्राप्त करने में कैसे मदद करेगा? InvestorAi के एल्गोरिथ्म ने प्रशिक्षित वैश्विक इक्विटी बाजारों में अपने मूल्य को साबित कर दिया है। बुनियादी अनुसंधान और मात्रात्मक प्रौद्योगिकियों के एक शानदार संयोजन का उपयोग करते हुए, इन्वेस्टरएआई के एआई-संचालित अनुमानित निवेश सुझाव, यह हमारे ग्राहकों को पारंपरिक, बुनियादी और तकनीकी संकेतकों का विश्लेषण करके सही निवेश निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा और एक बूम या मंदी के संकेत प्रदान करेगा।

अधिकांश दीर्घकालिक निवेशक सही निर्यात, प्रवेश या होल्डिंग रणनीति के बारे में नहीं जानते हैं और हमारा मानना है कि ब्रिजवेव का InvestorAi एकीकरण हमारे ग्राहकों को एक लाभदायक पोर्टफोलियो बनाने में मदद करने के लिए हमारे लिए एक और कदम है। एक कदम आगे बढ़ते हुए, InvestorAiका एकीकरण हमें अपने ग्राहक के गतिशील व्यवहार और लेनदेन प्रोफ़ाइल के अनुरूप विशिष्ट सुझाव प्रदान करने की अनुमति देगा। कर्मचारियों के लिए "एक दृश्य" समाधान ने ग्राहकों के लिए तेजी से निवेश निर्णय ों को सक्षम किया है।

किशन भरवाड हत्या केस में दिल्ली से गिरफ्तार मौलाना 8 दिन के पुलिस रिमांड पर

अहमदाबाद ।

अहमदाबाद के धंधुका में किशन भरवाड नामक युवक की हत्या के मामले में दिल्ली से गिरफ्तार मौलाना समेत दो आरोपियों को कोर्ट ने । फरवरी तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद दिल्ली के मौलाना कमरगनी उस्मानी और अजीम समा के 8 दिन के पुलिस रिमांड को मंजूर किया है। गुजरात एटीएस ने दोनों आरोपियों के 14 दिनों के रिमांड की मांग की थी। बचाव पक्ष की ओर से दलील दी गई कि केवल पूछताछ के लिए रिमांड जरूरी नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपियों को 8 दिन के रिमांड पर भेज दिया। बता दें कि विवादित पोस्ट को लेकर गत 25 जनवरी को अहमदाबाद जिले के धंधुका में किशन भरवाड नामक युवक की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस अब तक मौलवी मोहमद अयूब जावरावाला, शब्बीर, इम्तियाज, अजीम समा और दिल्ली के मौलाना कमरगनी उस्मानी को गिरफ्तार कर चुकी है। मौलवी मोहमद अयूब, शब्बीर इम्तियाज और इम्तियाज को अहमदाबाद से अजीम समा को मोरबी और मौलाना कमरगनी को उस्मानी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। गुजरात एटीएस की जांच में मौलाना कमरगनी उस्मानी का पाकिस्तान कनैक्शन सामने आया है। मौलाना कमरगनी उस्मानी भारत विरोधी गजवा ए हिन्द एजन्डा पर काम करने का जांच में खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि मौलाना पाकिस्तानी संगठन दावत ए इस्लामी नामक संस्था से जुड़ा हुआ है और इस संस्था का मुख्यालय पाकिस्तान के कराची मेंहै। पाकिस्तानी दावत ए इस्लामी नामक संस्था गुजरात समेत देश और दुनिया में इस्लामिक एज्युकेशन इंस्टीट्यूट चलाती है और इसकी आड में युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें हिंसक बनाया जाता है। कमरगनी

उस्मानी पिछले 6 महीनों में गुजरात के कई शहरों के चक्कर लगा चुका है। पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा में हुई हिंसा के मामले में मौलाना कमरगनी उस्मानी गिरफ्तार हो चुका है। किशन भरवाड हत्याकेस के मुख्य आरोपी शब्बीर की जांच में भी चौंकानेवाले खुलासे हुए हैं। शब्बीर तीन मौलानाओं के भडकाऊ तकरीरों के वीडियो देखता था। जिसमें अब्दुल रजा मुस्तैफई, अब्दुल रजा कादरी और कालीन हुसैन रिजवी की भड़काऊ तकरीरें शामिल हैं। इन तीनों मौलानाओं की भड़काऊ तकरीरों से शब्बीर प्रभावित था।

समाज सेवा में अग्रसर नंदलाल पंडीत एक सेवा भावी इन्सान

सूरत!

ज्योत से ज्योत जलाते चलो ईन्सानियत की तरफ कदम बढ़ाते चलो! कुछ लोग समाज सेवा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करने के लिए हंमेशा तत्पर रहते हैं। समाज सेवा ही उनके लिए महत्वपूर्ण कार्य होता है। ऐसे लोगों में सामिल है बिहार के सिवान जिले के बडरम टोलाटडियाँ गांव के रहने वाले नंदकुमार पडीत (नंदलालभाई) जिन्होंने अपनी जन्मभूमि से लेकर सूरत को कर्मभूमि बनाकर समाज के लिए कुछ योगदान देने के लिए 5 साल पूर्व बिहार पूर्वांचल प्रजापति समाज की स्थापना की। 10 अक्टूबर, 1974 को रोजीरोटी की तलाश करते हुए वह सूरत आए थे। सूरत के करीब मरोली सुगर फैक्ट्री में मजदूरी करते हुए उन्होंने अपने परिजनों को आर्थिक मदद करते हुए 14 साल सुगर फैक्ट्री में नौकरी करते हुए सूरत के कतारगांव क्षेत्र में फिलहाल अपना निवास बनाया है। पहले से ही समाज के हित के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में होने से जब उन्हें किसी अन्य समाज के कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के तौर पर बुलाया जाता तो उनके मन में आता की मेरा समाज एकजूट होना चाहिए जिससे उन्होंने बिहार पूर्वांचल प्रजापति समाज की स्थापना की और देखते ही देखते 5 सालों में समाज के 700 से 800 घरों के सदस्य समाज में एकत्रित हो गए। पिछले 5 सालों में नंदलालभाई ने समाज को एकजूट बनाने के लिए जो मेहनत की है वह काबिलेतारिफ है। उनका कहना है कि आनेवाले दिनों में समाज के बच्चों की

शिक्षा के लिए उन्हें आर्थिक मदद करने का आयोजन किया जाएगा। साथ ही समाज के लोग एक छत के नीचे एकजूट होकर मिल सके इसके लिए समाज का स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएंगा। नंदलालभाई को समाज सेवा के कार्य के लिए उनके पुत्र बिपेन्द्र और नागेन्द्र कंधे से कंधा मिलाकर साथ-सहकार देते हैं।

सूरत भूमि, सूरत, पर्वत पाटिया। सुरत में पर्वत पाटिया स्थित श्रीमती एम.पी. लिलियावाला विद्याभवन स्कूल में 26 जनवरी को उत्साह से 73 वा गणतंत्र मनाया गया, गणतंत्र समारोह मे मेहमान के तौर पर माझी कॉरपोरेटर श्री डॉ.रविंद्र पाटील और उनकी पत्नी श्रीमती डॉ.मंगलाबहन पाटिल, ट्रस्टि श्रीमती ममताबहन लिलियावाला,स्कूल के गुजराती,मराठी,हिंदी और अंग्रेजी माध्यम के सभी आचार्य शिक्षकगण और स्कूल के कक्षा 9 से 12 तक के सभी छात्र और छात्राए और आई.एफ.आई के उंडर ट्रेनींग ऑफिसर उपस्थित रहे थे, जिसमें कक्षा 11 एवं 12 में अभ्यास करते हुए छात्र और छात्राओं ने देशभक्ति गीत गाकर वातावरण को गौरवशाली और यशस्वी बनाया था ।

गुजरात में कोरोना के 6679 नए मरीजों के मुकाबले दो गुने अधिक डिस्चार्ज किए गए

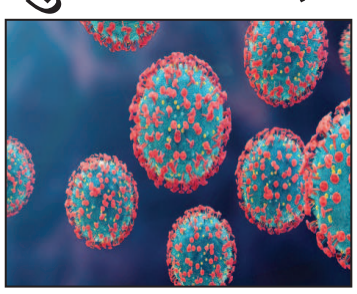

अहमदाबाद ।

गुजरात में कोरोना की रफ्तार पर ब्रेक लगी है और धीरे धीरे दैनिक केसों की संख्या घट रही है और ठीक होनेवालों की संख्या में वृद्धि हो रही है। हांलाकि कोरोना से मरनेवालों की संख्या कम नहीं हो रही है। आज राज्य में कोरोना के 6679 नए मामले सामने आए और 14171 लोग ठीक होकर अपने घर लौ गए। जबकि 35 मरीजों की मौत हो गई। वहीं आज राज्यभर में 246397 लोगों का टीकाकरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सबसे अधिक 2350 संक्रमित मरीज सामने आए। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 809, राजकोट कॉर्पोरेशन में 602, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 288, सूरत कॉर्पोरेशन में 277, वडोदरा में 236, कच्छ में 211, राजकोट में 175, पाटन में 146, मेहसाणा में 144, सूरत में 141, मोरबी में 135, जामनगर कॉर्पोरेशन में 113, गांधीनगर में 104, बनासकांठा में 96, नवसारी में 89, भरुच में 79, भावनगर कॉर्पोरेशन में 76, खेडा में 72, वलसाड में 65, पंचमहल में 58, अहमदाबाद में 49, अमरेली में 45, आणंद में 44, दाहोद में 33, गिर सोमनाथ में 30, साबरकांठा में 29, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 26, तापी में 26, सुरेन्द्रनगर में 22, जामनगर में 21, जूनागढ़ में 21, नर्मदा में 16, छोटाउदेपुर में 15, महीसागर में 9, भावनगर में 8, पोरबंदर में 8, बोटाद में 6, देवभूमि द्वारका में 3 और अरवल्ली में 2 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 6679 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जबकि 14171 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 1066393 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। सोमवार को राज्य में 35 मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10473 पर पहुंच गया है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 8 3793 संक्रमित मरीज हैं, जिसमें 83528 स्टेबल हैं और 265 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज राज्य में 246397 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 31 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 78 4 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया।

45 वर्ष से अधिक आयु के 5439 को कोविड की पहली और 15786 लोगों को दूसरी वैक्सीन दी गई। 18 से 45 वर्ष से अधिक आयु के 22824 को पहला और 62094 नागरिकों को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 15 से 18 वर्षीय 26944 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया। जबकि 48007 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया। राज्य में अब तक 9 करोड़ 79 लाख 33 हजार 236 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)